वर्ष-9//अंक-12//सितंबर 2022

ISSN 2454-5805

₹20/-

आम आदमी पत्रिका®

एक आम इंसान की सोच

RNI NO.: CHHHIN/2013/50684

सीएम बघेल ने मनाया अपना जन्मदिन

पीएम मोदी ने भी दी बधाई

» 6

न्याय योजना के तहत 1750 करोड़ की राशि अंतरित की

» 9

छत्तीसगढ़ ने रचा कीर्तिमान

» 19

पोला तिहार ग्रामीण जनजीवन में खुशहाली का प्रतीक

आम आदमी पत्रिका

वर्ष-9//अंक-10//जून 2022

प्रबंध संपादक	: उमेश के बंसी
सर्कुलेशन इंचार्ज	: प्रकाश बंसी
रिपोर्टर	: नेहा श्रीवास्तव
कंटेंट राईटर	: प्रशांत पारीक
क्रिएटिव डिज़ाइनर	: देवेन्द्र देवांगन
मैग्ज़ीन डिज़ाइनर	: युनिक ग्राफिक्स
मार्केटिंग मैनेजर	: किरण नायक
एडमिनिस्ट्रेशन	: निरूपमा मिश्रा
अकाउंट असिस्टेंट	: प्रियंका सिंह
ऑफिस कॉर्डिनेटर	: योगेन्द्र बिसेन

प्रधान कार्यालय

965/1 कक्कड़ चौक, श्याम नगर रोड,
कटोरा तालाब,रायपुर, छत्तीसगढ़

फोन : 0771-4044047

ईल : khabar@aamaadmi.in

कार्यालय

प्लाट नं.118, कंचन बाग, राजनांदगांव

प्रकाशक

उमेश कुमार बंसी, क्वाटर नंबर 10, एम.एम.
रियल स्टेट कॉलोनी, अमलीडीह, रायपुर
(छत्तीसगढ़) से प्रकाशित एवं मुद्रित

विशेष- इस पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिये गए विचार, लेखकों के अपने है। इसमें संपादक / मुद्रक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में संपादक / मुद्रक जिम्मेदार नहीं होगा। इस पत्रिका से संबंधित किसी भी विवाद के लिए सुनवाई क्षेत्र रायपुर न्यायालय होगा।

अनुक्रमणिका

सितम्बर 2022

इस अंक में

छत्तीसगढ़ को दृष्टिहीनता मुक्त राज्य बनाने की दिशा में नई पहल की जा रही है. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से एक बार फिर से कॉर्नियल ब्लाइंडनेस फ्री स्टेट के लिए मुहिम शुरू की गई है.

5

इस्तीफे के बाद क्या 8वीं बार बिहार के उट बनें 10

नीतीश ने इस्तीफा देने के बाद फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ ली.

बालवाड़ी योजना का शुभारंभ 12

योजना 5 से 6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए शुरू की गई है.

खेलबो, जीतबो, गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ 16

युवा अब कह रहे - खेलबो, जीतबो, गढ़बो नवा छत्तीसगढ़

पर्यटकों को लुभा रहा है नैसर्गिक सौंदर्य 20

एक साल में 1.15 करोड़ सैलानी पहुंचे छत्तीसगढ़

एनडीटीवी के अधिग्रहण की कहानी 22

इससे जुड़े कुछ बेहद अहम सवालों के जवाब

जीवन और करियर के लिए 8 जरूरी मंत्र 26

अपनी जिंदगी में कामयाब होने की ख्वाहिश तो सबकी होती है,

राहुल गांधी क्या चंद्रशेखर वाला करिश्मा दोहरा पाएंगे?

उमेश के बंसी
(प्रबंध संपादक)

कहते हैं कि दिल्ली का रास्ता लखनऊ से होकर जाता है. ये रास्ते कई बार पदयात्राओं के भी गवाह बनते रहे हैं. गुलाम भारत में ऐसी ही पदयात्रा ने आजादी की अलख जगाई तो आजाद भारत में इन यात्राओं ने सुस्त पड़ी पार्टी में जान फूंक दी. नमक कानून तोड़ने के लिए अहमदाबाद से दांडी तक 241 किमी की पदयात्रा महात्मा गांधी ने 25 दिन में पूरी की. वहीं आजाद भारत के इतिहास में सियासी यात्राओं की बात करें तो चंद्रशेखर की भारत यात्रा को भला कौन भूल सकता है. कन्याकुमारी में तीन महासागरों का संगम है- हिंद महासागर, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर. कन्याकुमारी जाने वाले लोगों के लिए उगते और डूबते सूरज को देखने के साथ ही यह भी बड़ा टूरिस्ट प्वाइंट है. इसी कन्याकुमारी से 6 जनवरी 1983 को बागी बलिया के दिग्गज नेता चंद्रशेखर ने भारत यात्रा शुरू की. 25 जून 1983 को दिल्ली के राजघाट पर यह यात्रा खत्म हुई. तकरीबन 4200 किमी की इस यात्रा में चंद्रशेखर रोज 40 से 45 किमी पैदल चलते थे. इस यात्रा के सात साल बाद चंद्रशेखर दिल्ली का रास्ता पूरा करने में कामयाब रहे और पीएम की कुर्सी पर चंद महीनों के लिए बैठे. ऐसे में एक सवाल यह भी उठता है कि क्या राहुल गांधी चंद्रशेखर वाले करिश्मे को दोहरा पाएंगे?

पदयात्राएं फायदे का सौदा साबित हुई हैं

भारत में जितनी भी यात्राएं निकाली गईं, चाहे वह राजनैतिक परिवर्तन यात्रा हो या सामाजिक, वे यात्राएं निकालने वाले व्यक्ति या संगठन के लिए लाभदायक ही साबित हुई हैं. अपने पिता वाईएस राजशेखर रेड्डी के निधन के बाद जगन मोहन रेड्डी ने आंध्र प्रदेश में ओदार्पु यात्रा (हिंदी में अर्थ सांत्वना यात्रा) निकाली थी. उन्होंने कहा था कि घर नहीं लौटेंगे और वो यात्राओं में रहते ही चुनाव जीत गए. भले ही 1984 में इंदिरा लहर आ गई थी लेकिन इसी बहाने चंद्रशेखर का विस्तार कर्नाटक, तमिलनाडु और महाराष्ट्र जैसी कई ऐसी जगहों पर हो गया. आज की तारीख में वो पार्टी जनता दल एस के नाम से जानी जाती है. ऐसी पदयात्राएं सामाजिक रूप से लोगों को जोड़ने के साथ ही राजनैतिक फायदे का सौदा साबित हुई हैं. इसका गुडलक चार्म ये कह सकते हैं कि कन्याकुमारी से कश्मीर की यात्रा का पूर्व में नतीजा अच्छा रहा है. मुरली मनोहर जोशी की भी तिरंगा यात्रा निकली थी. उस यात्रा का चुनावी राजनीति से लेना-देना नहीं था लेकिन उसने भी भारतीय जनता पार्टी की जड़ों को मजबूत किया ही था. खास तौर से दक्षिण के उन राज्यों में जहां बीजेपी अछूत की दृष्टि से देखी जाती थी.

कॉर्नियल ब्लाइंडनेस फ्री

स्टेट के लिए फिर शुरू हुई मुहिम

इसके लिए एक ओर जहां राज्य में कार्नियल ट्रांसप्लांट सेंटरों की संख्या बढ़ाई जा रही है. वहीं दूसरी ओर दूसरे राज्यों से कार्निया मंगवाने के लिए अब विशेष अनुदान भी दिया जाएगा. साथ ही आंखों की विभिन्न समस्याओं वाले मरीजों को भी जिला स्तर पर बेहतर जांच और उपचार उपलब्ध करवाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए हैं. इस संबंध में संचालक महामारी नियंत्रण सह राज्य कार्यक्रम अधिकारी अंधत्व निवारण, डॉ. सुभाष मिश्रा ने बताया: ह्लगातार आंखों से जुड़े रोग और समस्याओं के मरीज अस्पताल में पहुंचते हैं. कॉर्निया में सफेदी की वजह से जो व्यक्ति दृष्टिहीन है उनका अंधत्व दूर करने के लिए शासन प्रयास कर रहा है. इसलिए कॉर्नियल ब्लाइंडनेस फ्री स्टेट (कॉर्निया अंधापन मुक्त राज्य) योजना शुरू की गई जिसकोपुनः गति प्रदान करने का प्रयास शुरू किया जा रहा है. इसके लिए नेत्र सहायको, स्वास्थ्य कार्यकताओं, एएनएम एवं मितानिन को प्रशिक्षित कर लोगों में नेत्रदान को बढ़ावा देने और कार्निया ट्रांसप्लांट के लिए जागरूकता लाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं. संपूर्ण अंधेपन के शिकार व्यक्तियों की खोज - राज्य को अंधापन मुक्त राज्य बनाने के लिए कॉर्नियल ब्लाइंडनेस फ्री स्टेट (कॉर्निया अंधापन मुक्त राज्य) की योजना 2019 शुरू की गई है। कोविड महामारी की वजह से यह कार्य लगभग बंद सा हो गया था, जिसे पुनः गति प्रदान करने का प्रयास शुरू किया गया है. योजना के तहत संपूर्ण अंधेपन के शिकार व्यक्तियों की खोज की जा रही है. सरकारी और निजी आईं बैंकों को दान में मिले कॉर्निया जरूरतमंद लोगों को ट्रांसप्लांट किया जाएगा. यानी मृत व्यक्तियों के परिजन की काउंसिलिंग कर नेत्रदान कराने के लिए काउंसलर नियुक्ति किए गए हैं. जो लोगों के अंधकार भरे जीवन में रोशनी की नई किरण लेकर आएगा. हालांकि छत्तीसगढ़ में रोजाना हो रही मृत्यु के अनुपात में कम नेत्रदान होते हैं जो चिंता का विषय है, इसे लेकर जागरूकता अभियान भी सभी जिलों में चलाया जा रहा है.

> रायपुर. छत्तीसगढ़ को दृष्टिहीनता मुक्त राज्य बनाने की दिशा में नई पहल की जा रही है. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से एक बार फिर से कॉर्नियल ब्लाइंडनेस फ्री स्टेट (कॉर्निया अंधापन मुक्त राज्य) के लिए मुहिम शुरू की गई है. कोरोना महामारी की वजह से इस योजना की गति धीमी हो गई थी, जिसे पुनः तेजी से शुरू किया जा रहा है.

बढ़ाए जा रहे कॉर्निया ट्रांसप्लांट सेंटर- स्वास्थ्य विभाग के अनुसार योजना के तहत पूर्व में राज्य में सरकारी और निजी मिलाकर कुल 7 कॉर्निया ट्रांसप्लांट सेंटर थे. इनकी संख्या बढ़कर अब 9 हो गई है. हाल ही में शंकरा आई हॉस्पिटल एवं ओम नेत्रालय में भी उपरोक्त सेंटर खोला गया है ताकि जरूरतमंद मरीजों को आंखों की रोशनी दी जा सके. छत्तीसगढ़ को ही सिर्फ अनुदान- डॉ. मिश्रा के अनुसार कॉर्निया प्रत्यारोपण के लिए दूसरे राज्यों से कॉर्निया मंगवाने के लिए विशेष अनुदान की व्यवस्था की गई है. इसके लिए देश में सिर्फ छत्तीसगढ़ को ही बाहर से कॉर्निया मंगवाने के लिए 6,000 रूपए की अनुदान राशि स्वीकृत की गई है. जरूरत पड़ने पर यह राशि दूसरे राज्यों से कॉर्निया लाकर मरीजों को लगाने पर उपरोक्त संस्थान को दिया जाएगा.

नेत्रदान के लिए लोगों को किया जा रहा जागरूक- एक नेत्रदान से दो लोगों की आंखों को रोशनी दी जा सकती है. इसलिए नेत्रदान के प्रति लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है. नेत्रदान के आंकड़ों को देखें तो वर्ष 2022-2023 में जुलाई तक 56 नेत्रदान हुए हैं. वहीं वर्ष 2019-2020 में 362, वर्ष 2020-2021 में 3 तथा 2021-2022 में 100 नेत्रदान हुए हैं.

न्याय

मुख्यमंत्री ने 26 लाख से अधिक किसानों को

राजीव गांधी किसान न्याय योजना और गोधन न्याय योजना के तहत 1750 करोड़ रूपए की राशि अंतरित की

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि सबसे ज्यादा वर्मी कंपोस्ट का उपयोग करने वाले किसानों को राज्योत्सव के अवसर पर सम्मानित किया जाएगा. उन्होंने कहा कि किसानों की खुशहाली राज्य सरकार के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है. मुख्यमंत्री ने आज यहां अपने निवास कार्यालय में देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री राजीव गांधी की जयंती 'सद्भावना दिवस' के अवसर पर राजीव गांधी किसान न्याय योजना की दूसरी किश्त और गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों के खाते में 1750.24 करोड़ रूपए अंतरित किए. मुख्यमंत्री ने इस कार्यक्रम में राजीव गांधी किसान न्याय योजना की दूसरी किश्त के रूप में किसानों के खातों में 1745 करोड़ रूपए और गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों गोबर विक्रेताओं, महिला स्व-सहायता समूहों और गौठान समितियों के खातों में 5 करोड़ 24 लाख रूपए की राशि का अंतरण किया.

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि किसानों की कर्जमाफी और समर्थन मूल्य के साथ इनपुट सब्सिडी देने से हमारे किसान ऋण के बोझ से उबरकर अब स्वावलंबी बन गए हैं और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुधारने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं. प्रदेश के 26 लाख से अधिक किसानों के चेहरों पर अब खुशी दिखाई दे रही है. श्री बघेल ने इस कार्यक्रम के लिए श्री राहुल गांधी द्वारा भेजे गए शुभकामना संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि सांसद श्री राहुल गांधी यह चाहते थे कि लोगों के जेब में पैसा पहुंचे और उनकी आर्थिक स्थिति सुधरे. राज्य सरकार ने अपनी योजनाओं के माध्यम से यह कार्य किया है. उन्होंने कहा कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत इनपुट सब्सिडी के रूप में धान उत्पादक किसानों को 9 हजार रूपए प्रति एकड़, सुगंधित धान तथा खरीफ की अन्य फसल लेने वाले किसानों को 10 हजार रूपए प्रति एकड़ और वृक्षारोपण करने वाले किसानों को 3 वर्ष तक 10 हजार प्रति एकड़ के मान से राशि दी जाएगी.

मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय श्री राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि जब भी आधुनिक भारत के विकास की बात होगी, तो उनमें प्रमुख नाम स्वर्गीय श्री राजीव गांधी जी का होगा. राजीव जी का सबसे बड़ा योगदान यह है कि उन्होंने हर नागरिक के जीवन की जटिलताओं को न्यूनतम् करने के लिए काम किया. चाहे वे जटिलताएं प्रशासनिक कामकाज से संबंधित रही हों, चाहे नागरिक सुविधाओं से, या फिर आर्थिक विकास से संबंधित हो. भारत में

टेलीकॉम, कम्प्यूटर, साइंस एंड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में हुए विकास के लिए हम उनके योगदान को याद करते हैं.

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों को अधिकार संपन्न बनाने के लिए राजीव जी द्वारा की गई पहल को आगे बढ़ाते हुए हमारे नेता श्री राहुल गांधी जी ने न्यूनतम आय योजना का विचार सामने रखा था. इसी योजना को हम न्याय योजना के रूप में भी जानते हैं.

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने आज के इस कार्यक्रम में राजीव गांधी किसान न्याय योजना के अंतर्गत खरीफ सीजन 2021 के लिए 26 लाख 21 हजार 352 पंजीकृत किसानों के बैंक खातों में इनपुट सब्सिडी की द्वितीय किश्त 1745 करोड़ रुपये ऑनलाईन माध्यम से अंतरित की. इसी तरह गोधन न्याय योजना के अंतर्गत पशुपालक ग्रामीणों, गौठान समितियों और महिला समूहों को कुल 5 करोड़ 24 लाख रुपए का भुगतान किया गया. इससे पूर्व 21 मई 2022 को राज्य के किसानों को इस योजना की प्रथम किश्त के रूप में 1745 रूपए का भुगतान किया गया था. आज द्वितीय किस्त के भुगतान की गई राशि को मिलाकर किसानों को राजीव गांधी किसान न्याय योजना के शुरू होने के बाद से अब तक 14 हजार 665 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है. इस योजना में खरीफ 2019 में 18.43 लाख किसानों को 4 किश्तों में इनपुट सब्सिडी के रूप में 5627 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया. इसी प्रकार खरीफ वर्ष 2020 के 20.59 लाख किसानों को 5553 करोड़ रूपए की इनपुट सब्सिडी दी गई. किसानों को फसल लागत मूल्य कम करने, उत्पादकता बढ़ाने, फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के लिए इनपुट सब्सिडी की यह राशि दी जा रही है.

मुख्यमंत्री ने गोधन न्याय योजना के अंतर्गत गोबर विक्रेताओं को 2.64 करोड़ रूपए तथा गौठान समितियों तथा स्व-सहायता समूह को 2.60 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया.

गोबर बेचने वाले ग्रामीणों को गोधन न्याय योजना शुरू होने के बाद से अब तक 158.24 करोड़ रूपए का भुगतान किया जा चुका है. इसी तरह गौठान समितियों तथा स्व-सहायता समूह को अब तक 154.02 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया है. मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में फर्टिलाइजर की गिनी चुनी फैक्ट्रियां हैं, इस मामले में छत्तीसगढ़ काफी आगे बढ़ गया है, यहां गांव-गांव में गौठानों में वर्मी कम्पोस्ट के उत्पादन से उर्वरक की फैक्ट्री प्रारंभ हो गई है. वर्मी कम्पोस्ट के उपयोग से भूमि की गुणवत्ता और उर्वरता बढ़ रही है. हमारे कृषि उत्पाद जहरीले तत्वों से मुक्त हो रहे हैं. राज्य जैविक खेती की ओर बढ़ रहा है. आने वाले समय में गौठानों में बिजली भी बनाई जाएगी. गोबर से पेंट भी बनाया जा रहा है.

कृषि मंत्री श्री रविन्द्र चौबे ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना और गोधन न्याय योजना से छत्तीसगढ़ की इकॉनामी में सुधार हुआ है. बैंकों का किसानों के प्रति विश्वास बढ़ा है. उन्होंने कहा कि इस योजना से पिछले तीन सालों से किसानों की संख्या 8 लाख बढ़ी है. गांवों में खेतों का बिकना रूका है. किसान अब खेत खरीद रहे हैं. इन योजनाओं का प्रारंभ होना क्रांतिकारी कदम है.

इस अवसर पर कृषि मंत्री श्री रविन्द्र चौबे, आदिम जाति विकास मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया, उद्योग मंत्री श्री कवासी लखमा, उच्च शिक्षा मंत्री श्री उमेश पटेल, संसदीय सचिव श्री शिशुपाल सोरी, मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री प्रदीप शर्मा, छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष श्री रामगोपाल अग्रवाल, छत्तीसगढ़ राज्य खनिज विकास निगम के अध्यक्ष श्री गिरीश देवांगन, मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू, कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, गोधन न्याय योजना के नोडल अधिकारी डॉ. अय्याज फकीर भाई तम्बोली, संचालक पशुधन श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी, संचालक उद्यानिकी श्री माथेश्वरन वी., सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से स्वास्थ्य मंत्री श्री टी. एस. सिंहदेव तथा प्रदेश के विभिन्न जिलों से किसान और अधिकारी भी जुड़े.

छत्तीसगढ़ में कस्टम मिलिंग का चावल जमा कराने में रचा कीर्तिमान

केन्द्रीय पूल में कस्टम मिलिंग का चावल जमा कराने के मामले में छत्तीसगढ़ रिकार्ड सफलता हासिल की है. छत्तीसगढ़ में 65.21 लाख मीट्रिक टन चावल केन्द्रीय पूल में जमा कराने के लक्ष्य के विरूद्ध 9 सितम्बर की स्थिति में 59.39 लाख मीट्रिक टन चावल सीएमआर के रूप में केन्द्रीय पूल में जमा करा दिया है. ऐसा पहली बार हुआ है कि धान खरीदी के साथ-साथ युद्ध स्तर पर कस्टम मिलिंग कराकर छत्तीसगढ़ ने अपने कोटे का रिकार्ड चावल एफसीआई और नागरिक आपूर्ति निगम को दे दिया है. यह छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी नीतियों एवं दूरदर्शी निर्णयों के चलते संभव हो सका है.

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन में राज्य में धान की खरीदी, कस्टम मिलिंग और केन्द्रीय पूल में चावल जमा कराने की चाक-चौबंद व्यवस्था से उपार्जित धान के नुकसान और सूखत से होने वाले नुकसान रूका है. केन्द्रीय पूल में सीएमआर का चावल बड़ी मात्रा में जमा होने से मार्कफेड को इस साल बीते वर्ष की तुलना में 8 हजार करोड़ रूपए का अधिक भुगतान प्राप्त हुआ है, जिसकी बदौलत बैंक ऋण की वापसी के चलते 100 करोड़ रूपए के ब्याज की भी बचत हुई है. मुख्यमंत्री ने राज्य में कस्टम मिलिंग और सीएमआर के रूप में केन्द्रीय पूल में रिकार्ड चावल जमा कराने की सफलता के लिए विभागीय अधिकारी को बधाई दी है.

खरीफ वर्ष 2021-22 में राज्य में सर्वाधिक धान उपार्जन का कीर्तिमान रचने के बाद साथ ही समितियों से धान का उठाव और केन्द्रीय पूल में चावल जमा कराने के मामले में भी छत्तीसगढ़ ने एक नया कीर्तिमान रचा है. 9 सितम्बर की स्थिति में मिलर्स द्वारा 59.39 लाख मीट्रिक टन चावल एफसीआई और नान में जमा किया जा चुका है. मात्र 5.82 लाख मीट्रिक टन चावल सीएमआर में जमा किया जाना शेष है. कस्टम मिलिंग के लिए राज्य के मिलर्स को 97.30 लाख मीट्रिक टन धान प्रदाय किया गया है, जिसके एवज में मिलर्स को 65.25 लाख मीट्रिक टन चावल जमा कराना है. सितम्बर माह के अंत तक सीएमआर का चावल जमा कराने का लक्ष्य पूरा होने की उम्मीद है.

खाद्य विभाग के सचिव टी.के. वर्मा ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2021-22 में 97.99 लाख मेट्रिक टन धान की समर्थन मूल्य पर रिकार्ड खरीदी की गई. उपार्जित धान का समय पर उठाव व मिलिंग एक बड़ी चुनौती थी, क्योंकि इतनी वृहद मात्रा में उपार्जित धान का सुनियोजित रूप से उठाव व निराकरण न होने के फलस्वरूप इसके अमानक होने के साथ-साथ सूखत से भी बड़ी हानि होने की संभावना थी, किन्तु धान के उठाव व निराकरण के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन रणनीति तैयार कर इसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया. परिणाम स्वरूप खरीफ विपणन वर्ष 2021-22 में राज्य में पहली बार माह अप्रैल-मई में ही उपार्जन केन्द्रों से तथा जून माह में संग्रहण केन्द्रों में भंडारित धान की शत-प्रतिशत मात्रा का उठाव कर लिया गया. राज्य में पहली बार बारिश शुरू होने से पहले ही कस्टम मिलिंग के लिए धान का उठाव पूरा कर लिया गया. उपार्जन केन्द्रों से सीधे मिलरों द्वारा धान का रिकार्ड उठाव करने के कारण परिवहन व्यय, सूखत की मात्रा एवं धान की सुरक्षा एवं रखरखाव के व्यय में भी बीते वर्षों की तुलना में बेहद कमी आई है.

इस्तीफे के बाद क्या 8वीं बार बिहार के उट बनें नीतीश कुमार

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस्तीफा देने के बाद फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ ली. इसी के साथ वह सातवीं बार बिहार के भूतपूर्व मुख्यमंत्री बन गए हैं. दरअसल इससे पहले नीतीश कुमार सात बार बिहार के सीएम पद की शपथ ले चुके हैं.

2015 में बना चुके हैं फ्खऊके साथ सरकार

नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू और आरजेडी एक साथ मिलकर सरकार बनाई हैं, लेकिन यह पहली बार नहीं हुआ. नीतीश ने लालू यादव के साथ मिलकर साल 2015 में भी बिहार में सरकार बनाई थी और उस सरकार में लालू यादव के दोनो बेटे मंत्री थे. 2015 के विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार ने कांग्रेस और आरजेडी के साथ मिलकर महागठबंधन बनाया था, जिसके बिहार में वह चेहरा थे. चुनाव के बाद जीत मिली और उन्होंने सूबे में सरकार बना ली थी. हालांकि ये गठबंधन ज्यादा दिनों तक चला नहीं और 26 जुलाई 2017 को नीतीश कुमार ने गठबंधन तोड़ दिया और बीजेपी के साथ सरकार बना ली.

22 साल, 5 महीने और 6 दिन के करियर में कब-कब सीएम बने नीतीश कुमार

नीतीश कुमार पहली बार बिहार के मुख्यमंत्री 3 मार्च 2000 में बने. हालांकि, बहुमत ना जुटा पाने की वजह से महज सात दिन बाद ही 10 मार्च 2000 को ही उन्हें इस्तीफा देना पड़ा. नवंबर 2005 में वह दूसरी बार मुख्यमंत्री बने और अपना कार्यकाल पूरा किया. इसके बाद तीसरी बार साल 2010 में सीएम बने. चौथी बार उन्होंने 22 फरवरी 2015 को सीएम पद की शपथ ली. 2015 में महागठबंधन के साथ चुनाव लड़ने और जीतने के बाद वह पांचवीं बार मुख्यमंत्री बने. जबकि 27 जुलाई 2017 को वह छठवीं बार सीएम बने और सातवीं बार उन्होंने 2020 के विधानसभा चुनाव में जीत के बाद मुख्यमंत्री पद की शपथ ली. यह चुनाव नीतीश कुमार ने एनडीए गठबंधन के साथ मिलकर लड़ा था.

जाने किनके खाते में सबसे ज्यादा गया मंत्री पद का कोटा

मुख्यमंत्री के तौर पर नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव द्वारा 10 अगस्त को उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के पांच दिन बाद कैबिनेट का विस्तार हुआ है. सबसे अधिक मंत्री राजद के बने हैं और कुल 31 मंत्रियों ने आज शपथ लिया है. इन सभी को मंत्रालय अलॉट कर दिए गए हैं. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गृह मंत्रालय अपने पास रखा है तो उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को स्वास्थ्य विभाग मिला है. तेज प्रताप यादव को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग मिला है.

सबसे अधिक मंत्री राजद से

राष्ट्रीय जनता दल (फ्खऊ) के सबसे अधिक 16 विधायकों को मंत्री पद मिला है. इसके बाद जदयू के 11 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली है. कांग्रेस के दो और एचएएम के एक विधायक मंत्री बने हैं. इसके अलावा एक

निर्दलीय प्रत्याशी सुमित कुमार सिंह भी नीतीश कुमार के कैबिनेट में शामिल हुए हैं. लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने भी मंत्री पद की शपथ ली है.

कैबिनेट विस्तार की आगे भी संभावना

नीतीश कुमार की नई कैबिनेट में महागठबंधन से 31 विधायकों ने राजभवन में शपथ ली थी. इस कैबिनेट में अधिकतम 36 मंत्री पद दिए जा सकते हैं यानी कि कैबिनेट विस्तार की गुंजाइश अभी है. महागठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी यानी सबसे अधिक विधायक राजद के हैं तो इसे सबसे अधिक मंत्रियों का कोटा मिला.

महाराष्ट्र और बिहार के बाद अब झारखंड में भी राजनीतिक संकट जारी है. हेमंत सोरेन की सीएम की कुर्सी खतरे में दिख रही है. इस बीच महागठबंधन अपने विधायकों को हॉर्स ट्रेडिंग (खरीद-फरोख्त) से बचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है.

झारखंडः हेमंत सोरेन की कुर्सी पर खतरे के बीच रांची से रायपुर पहुंचे विधायक

विधायकों को एकजुट करके रखने के लिए अब उनको रांची से रायपुर लेकर जाया जा रहा है. इसके लिए मुख्यमंत्री निवास से महागठबंधन के विधायक बसों में बैठकर एयरपोर्ट की तरफ निकल गए हैं. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी उनके साथ दिखे. हालांकि, वह रायपुर आएं. बता दें कि छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस की ही सरकार है. इसलिए विधायकों को छत्तीसगढ़ के रायपुर लेकर आया गया. दरअसल, सरकार को डर है कि अगर हेमंत सोरेन को इस्तीफा देना पड़ा तो विधायकों को खरीदने-तोड़ने की कोशिश हो सकती है.

यूपीए के 32 विधायक रायपुर जा रहे हैं. इसमें कांग्रेस से 12, खटट के 19 और राजद के 1 विधायक शामिल हैं. इसके अलावा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे रायपुर जा रहे हैं. वहीं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन विधायकों को एयरपोर्ट छोड़ खुद सीएम आवास लौट गए.

इस दौरान सीएम ने कहा कि सावधानी के तहत ऐसा किया जा रहा है. वह बोले कि वढअ के सारे विधायक एकजुट हैं. मीडिया से बात करते हुए हेमंत सोरेन ने कहा कि सत्ता पक्ष हर परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार है.

पहले खबरें थीं कि विधायकों के साथ हेमंत सोरेन भी रायपुर जाएंगे. लेकिन अब खबर है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनके कैबिनेट के सहयोगी रांची में ही रहेंगे. ये सभी रांची में 1 तारीख को कैबिनेट की बैठक में भी शामिल होंगे.

महागठबंधन के विधायक रांची से रायपुर के लिए निकले. ये विधायक इंडिगो के 320 एयरबस से रायपुर जाएंगे. कांग्रेस कमेटी के नाम से इसको बुक कराया गया है.

जानकारी के मुताबिक, महागठबंधन के 45 विधायक रायपुर जा रहे हैं. यह भी कहा जा रहा है कि मंत्री रांची में ही रह सकते हैं, वहीं विधायक रायपुर जा सकते हैं.

झारखंड की महागठबंधन सरकार में सबसे बड़ी पार्टी झामुमो के 30, कांग्रेस के 18 और राजद के एक विधायक हैं. वहीं मुख्य विपक्षी दल भाजपा के सदन में 26 विधायक हैं.

चुनाव आयोग ने हेमंत सोरेन को लाभ के पद के मामले में दोषी पाया है. अभी इसपर आखिरी फैसला राज भवन यानी राज्यपाल रमेश बैस को लेना है. लेकिन उनकी तरफ से अभी कोई कदम नहीं उठाया गया है. इस बीच सोरेन सरकार कुर्सी बचाने की रणनीति में जुटी हुई है.

पिकनिक मनाने गए थे विधायक

सियासी घमासान के बीच 27 अगस्त को झामुमो गठबंधन सरकार के विधायक पिकनिक मनाने के लिए रांची से खूंटी जिले के लतरातू डैम पर पहुंचे थे. इन विधायकों के साथ खुद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी मौजूद थे. सभी लोग दोपहर 2.30 बजे तीन लग्जरी बसों से निकले थे और शाम को 8.30 बजे वापस रांची लौट आए थे. कहा जा रहा था कि सियासी तनाव को दूर करने के लिए हेमंत ने विधायकों के साथ ये ट्रिप बनाई थी.

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने प्रदेश में बालवाड़ी योजना का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नई शिक्षा नीति के अनुसार खेल खेल में बच्चों के सीखने और समझने की क्षमता को विकसित करने के लिए अपने निवास कार्यालय में आज 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रदेश में बालवाड़ी योजना का शुभारंभ किया है. स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा बालवाड़ी योजना पांच से छः वर्ष तक की आयु के बच्चों के लिए शुरू की गई है. 'जाबो बालवाड़ी बढ़ाबो शिक्षा के गाड़ी' की थीम के साथ मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने शिक्षा मंत्री श्री प्रेमसाय सिंह टेकाम की मौजूदगी में इस योजना की शुरूआत की है. बालवाड़ी योजना के माध्यम से बच्चे सीखने के लिए प्रोत्साहित होंगे और उन्हें स्कूल के माहौल के लिए तैयार किया जा सकेगा. बच्चों के लिए हर बालवाड़ी में आंगनबाड़ी सहायिका के अतिरिक्त संबद्ध प्राथमिक शाला के एक सहायक शिक्षक की भी तैनाती की जाएगी और इसके लिए सहायक शिक्षक को हर माह 500 रुपए का अतिरिक्त मानदेय भी प्रदान किया जाएगा.

बच्चों को खेल-खेल में एवं रोचक तरीके से अध्यापन कार्य कराने के लिए आंगनबाड़ी सहायिका एवं शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है. प्रत्येक बालवाड़ी के लिए बच्चों के अनुकूल फर्नीचर, खेल सामग्री एवं प्रिंटरीच रंग-रोगन के लिए 01 लाख रुपए की स्वीकृति भी प्रदान की गई है. इस वर्ष 5173 बालवाड़ियां प्रारंभ की गई हैं और आने वाले वर्षों में राज्य के सभी क्षेत्रों में चरणबद्ध रूप से बालवाड़ियां खोली जाएंगी.

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि वैज्ञानिकों ने अपने अनुसंधान में पाया है कि मनुष्य के मस्तिष्क का 85 प्रतिशत विकास बाल्य अवस्था में ही हो जाता है. एक बच्चा अपने प्रारंभिक वर्षों में जो सीखता है, वही चीजें स्कूल में और आगे जीवन में उसकी मदद करती हैं. शिक्षण की शुरूआत तभी हो जानी चाहिए, जब बच्चों का मस्तिष्क तैयार हो रहा हो.

योजना के शुभारंभ के अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ प्रेमसाय सिंह टेकाम ने कहा कि बालवाड़ी योजना का उद्देश्य बच्चों के मानसिक,सामाजिक,मनोवैज्ञानिक एवं संज्ञानात्मक विकास करने एक लिए एक शिक्षण-सेतु के तौर पर कार्य करेगी ताकि 05 से 06 वर्ष की उम्र में जब बच्चे पहली कक्षा में जाएं तो वह उसके लिए पूरी तरह तैयार हो चुके हों.

स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव श्री आलोक शुक्ला ने योजना के बारे में जानकारी देते हुए कहा है कि इस वर्ष 5173 बालवाड़ियां प्रारंभ की गई हैं और आने वाले वर्षों में राज्य के सभी क्षेत्रों में चरणबद्ध रूप से बालवाड़ियां खोली जाएंगी.

इस अवसर पर कृषि, जल संसाधन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री रविंद्र चौबे, मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री प्रदीप शर्मा , प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा डॉ आलोक शुक्ला, कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह,सचिव स्कूल शिक्षा डॉ एस भारती दासन, विशेष सचिव कृषि डॉ.अयाज तंबोली,समग्र शिक्षा प्रबंध संचालक श्री नरेन्द्र दुग्गा एवम अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे.

डॉ. शिवकुमार डहरिया ने हैदराबाद में कचरा निपटान की अत्याधुनिक तकनीक का किया अवलोकन

नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने हैदराबाद में अधिकारियों के साथ कचरा निपटान की अत्याधुनिक तकनीक का किया अवलोकन

कचरा निपटानतकनीक काअवलोकन किया

नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने हैदराबाद प्रवास के दौरान वहां कचरा निपटान तकनीक का अवलोकन किया। हैदराबाद के इंटीग्रेटेड एमएसडब्ल्यू लिमिटेड (री सस्टेने बिलिटी लिमिटेड की सहायक कंपनी) द्वारा वहां 7000 मीट्रिक टन कचरे का निपटान किया जा रहा है। यह कंपनी कचरे से 24 मेगावाट बिजली का उत्पादन कर रही है। कंपनी द्वारा कंप्रेस्ड बायो गैस सुविधा दी जा रही है। इसके अलावा अत्याधुनिक तरीके से खाद का निर्माण किया जा रहा है।

मंत्री डॉ. डहरिया ने निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रक्रिया सुविधा जानने पहुंचे। सी एंड डी कं 500 मीट्रिक टन कचरा संभालती है और रेत जैसे विभिन्न उत्पादों कर्ब स्टोन्स, कंकड़ आदि का उत्पादन करती है। उन्होंने कंपनी के विजन एवं पर्यावरण सेवाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर रायपुर नगर निगम के आयुक्त श्री मयंक चतुर्वेदी, आर.एम.सी. श्री अरूण साहू, सूडा के अधिकारी श्री आशीष टिकरहा और श्री नितेश शर्मा भी मौजूद थे।

कोटवारो की समस्याओं का किया निराकरण

मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया से मिले कोटवार एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़, तहसील आरंग के पदाधिकारी आरंग विधानसभा क्षेत्र के समस्त ग्रामों में कार्यरत कोटवारों को स्वेच्छानुदान मद से दस-दस हजार रूपए देने की घोषणा की नगरीय प्रशासन मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक डॉ. शिवकुमार डहरिया से आज कोटवार एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ के अंतर्गत विधानसभा आरंग के पदाधिकारियों ने भेंट कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया। मंत्री डॉ. डहरिया ने कोटवारो की समस्याओं का निराकरण किया तथा आरंग विधानसभा क्षेत्र के समस्त ग्रामों में कार्यरत लगभग 160 कोटवारों को अपनी स्वेच्छानुदान मद से दस-दस हजार रूपए देने की घोषणा किया। इस अवसर पर कोटवार एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ के प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री त्रिभुवन दास मानिकपुरी सहित सर्वश्री गिरवर मानिकपुरी, त्रिलोकी मानिकपुरी, रामाधार देवदास, पीलू दास, धर्मेंद्र मानिकपुरी, आनन्द दास एवं परमेश्वरी मानिकपुरी, कौशिल्या मानिकपुरी, किरण दास इत्यादि ने डॉ. डहरिया जी का आभार व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 23 अगस्त को जन्मदिन मनाया. ये उनका 60वां जन्मदिन था. इस मौके पर तमाम लोग उन्हें बधाइयां दी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ट्वीट कर मुख्यमंत्री बघेल को जन्मदिन की शुभकानाएं दी हैं. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को जन्मदिन की बधाई. उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की प्रार्थना करते हैं. वहीं सीएम बघेल ने पीएम मोदी की इन शुभकानाओं के लिए आभार जताया है. उन्होंने पीएम के ट्वीट को रिट्वीट करते हुए लिखा है- आपकी शुभकामनाओं के लिए आभार आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी.

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मनाया अपना जन्मदिन

पीएम मोदी ने भी दी बधाई

इस मौके पर भूपेश बघेल की पत्नी सहित परिवार के लोगों ने भी उन्हें शुभकामनाएं दी. जन्मदिन के मौके पर मुख्यमंत्री ने एक संदेश में कहा, जीवन की यात्रा चलती रहती है और परिवार स्थायी हमसफर होता है, जिसका संबल आजीवन मिलता है. आज एक पड़ाव और पार हो रहा है.. गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने शुभकामना संदेश में कहा- आप गढ़ रहें नवा छत्तीसगढ़... आपके यशस्वी नेतृत्व में आगे बढ़ रहा छत्तीसगढ़...विकासपुरूष, जन-जन के प्रिय नेता, किसान पुत्र प्रदेश के दुलरवा मुख्यमंत्री आदरणीय श्री भूपेश बघेल जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं. मंत्री अमरजीत भगत ने कहा, माननीय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर अपने सीतापुर क्षेत्र के सहयोगीयों और पदाधिकारियों सहित उन्हें जन्मदिवस की शुभकामनाएं दीं. भूपेश बघेल जी के रूप में छत्तीसगढ़ की जनता को सही मायनों में अपना नेता मिला है. **स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा**- आज प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निवास स्थान पर पहुंचकर उन्हें जन्मदिवस की शुभकामनाएं दीं. मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि भूपेश भाई को उत्तम स्वास्थ्य एवं सुदीर्घ जीवन का आशीर्वाद प्रदान करें. कांग्रेस मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के जन्मदिन को सेवा-समर्पण के साथ मना रही है. इस मौके पर तीन दिवसीय निश्शुल्क स्वास्थ शिविर का आयोजन बलबीर सिंह जुनेजा इनडोर स्टेडियम में किया गया. इस शिविर में रायपुर के साथ हैदराबाद और मुंबई के स्पेशलिस्ट डाक्टरों ने अपनी सेवाएं दी.

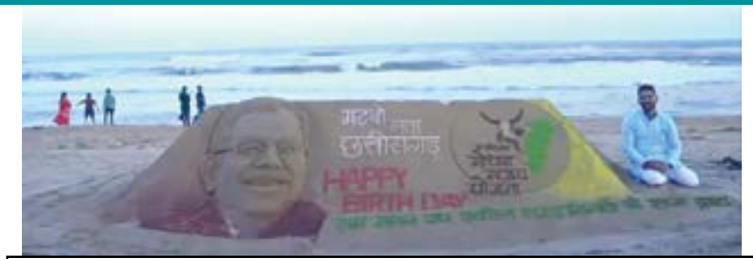

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रसिद्ध सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक के शिष्य गोपीनाथ महाराणा ने ओडिशा राज्य के पुरी में समुद्र तट पर सैंड आर्ट बनाकर अपने कलात्मक अंदाज में दी शुभकामनाएं.

मुख्यमंत्री को बधाई देते मंत्री ताम्रध्वज साहू

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को जन्मदिन की बधाई देते रायपुर के महापौर एजाज ढ़ेबर

A picture containng person, people, family
Description automatically generated
A group of people standing in a room
Description automatically generated with low confidence

छत्तीसगढ़ के महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया ने मुख्यमंत्री आवास पहुंचकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को जन्मदिन की बधाई दी.

A group of people posing for a photo
Description automatically generated

छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव अमिताभ जैन, पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा और मुख्य प्रधान वन संरक्षक राकेश चतुर्वेदी ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मिलकर उनको जन्मदिन की शुभकामनाएं दी.

राज्य के युवा अब कह रहे
खेलबो, जीतबो, गढ़बो नवा छत्तीसगढ़

रायपुर राष्ट्रीय खेल दिवस पर विशेष : राज्य के युवा अब कह रहे - खेलबो, जीतबो, गढ़बो नवा छत्तीसगढ़राष्ट्रीय खेल दिवस पर विशेष : राज्य के युवा अब कह रहे - खेलबो, जीतबो, गढ़बो नवा छत्तीसगढ़राष्ट्रीय खेल दिवस पर विशेष : राज्य के युवा अब कह रहे - खेलबो, जीतबो, गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ छत्तीसगढ़ में साढ़े तीन साल पहले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में गठित सरकार ने ह्लगढ़बो नवा छत्तीसगढ़ह्व का नारा दिया था और इसे राज्य का ध्येय वाक्य भी बनाया. इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में मोड़ने और खेलों को प्रोत्साहित के लिए खेलबो, जीतबो, गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ का नारा भी दिया गया. इसी नारे के अनुरूप छत्तीसगढ़ में खेलों के लिए माहौल भी बनाने की कवायद भी तेज हो गई और निरंतर खेल व खिलाड़ियों के लिए पर्याप्त सुविधाएं मुहैया कराने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं. इस कड़ी में छत्तीसगढ़ सरकार ने सबसे पहले छत्तीसगढ़ खेल विकास प्राधिकरण का गठन किया गया. वहीं राजधानी रायपुर से लेकर बिलासपुर और बस्तर के नारायणपुर तक में खेल अकादमी को लेकर काम शुरू हो गए. राष्ट्रीय खेल दिवस पर विशेष : राज्य के युवा अब कह रहे - खेलबो, जीतबो, गढ़बो नवा छत्तीसगढ़राष्ट्रीय खेल दिवस पर विशेष : राज्य के युवा अब कह रहे - खेलबो, जीतबो, गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने सरकार में आते ही यह जाहिर कर दिया था कि वे छत्तीसगढ़ में हर वर्ग के लिए और हर क्षेत्र में काम करेंगे. महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के सपने को पूरा करने की दिशा में काम करते हुए उन्होंने सबसे पहला निर्णय किसानों के हित में लिया. वहीं गोधन न्याय योजना और ग्रामीण आजीविका पार्क जैसे निर्णयों ने ग्रामीणों की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का काम किया. मजदूरों के लिए मनरेगा के तहत सर्वाधिक दिवस रोजगार व राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना लागू की गई. माताओं, बच्चों से लेकर बुजुर्गों के लिए भी समय-समय पर विभिन्न योजनाएं लायी गईं. इन सबके बीच युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में केन्द्रीत करने के लिए भी छत्तीसगढ़ सरकार ने कवायद की.

राजीव युवा मितान क्लब का गठन :

छत्तीसगढ़ राज्य की युवा शक्ति को मुख्य धारा से जोड़कर, गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से राजीव युवा मितान क्लब योजना प्रारंभ की गई. इसमें प्रदेश के प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकायों के वार्डों में कुल 13269 राजीव युवा मितान क्लब गठित किए जाने का लक्ष्य है. अब तक कुल 9917 युवा मितान क्लबों का गठन हो चुका है. प्रति क्लब 25 हजार रुपये प्रति तिमाही दिए जाने का प्रावधान है. वित्तीय वर्ष 2021-22 में 33.325 करोड़ रुपये जिलों को जारी कर दिए गए हैं. राजीव युवा मितान क्लब से जुड़कर युवा खेल, सांस्कृतिक, सामाजिक गतिविधियों एवं जन-जागरूकता बढ़ाने का काम कर रहे हैं.

आवासीय खेल अकादमी का संचालन :

छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के पश्चात पहली बार खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आवासीय खेल अकादमी का संचालन प्रारंभ किया गया है. स्व. बी.आर. यादव राज्य खेल प्रशिक्षण केन्द्र बहतराई बिलासपुर में हॉकी, तीरंदाजी एवं एथलेटिक की आवासीय अकादमी की स्थापना की गई है, जिसे भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा खेलो इंडिया स्टेट सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस की मान्यता दी गई है. एक्सीलेंस सेन्टर के लिए मैनपॉवर के हाई परफॉर्मेंस मैनेजर, हेड कोच हॉकी, स्ट्रैंथ एण्ड कंडिशनिंग एक्सपर्ट, फिजियोथेरेपिस्ट, यंग प्रोफेशनल एवं मसाजर (महिला) की नियुक्ति की जा चुकी है तथा शेष की नियुक्ति प्रक्रियाधीन है. गौरतलब है कि 1 जून 2022 से हॉकी की आवासीय अकादमी संचालित है, जिसमें 36 बालक एवं 24 बालिकाएं इस तरह कुल 60 खिलाड़ी प्रशिक्षणरत हैं. तीरंदाजी तथा एथलेटिक खेल की अकादमी के लिए खिलाड़ियों के चयन ट्रायल लिए जा चुके हैं. आवासीय बालिका कबड्डी अकादमी में प्रवेश हेतु खिलाड़ियों के चयन ट्रायल लिए जा चुके हैं. इसके साथ ही रायपुर में एनएमडीसी लिमिटेड के सहयोग से आवासीय तीरंदाजी अकादमी की स्थापना की जा रही है.

गैर आवासीय खेल अकादमी की भी स्थापना :

छत्तीसगढ़ में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा राज्य के खिलाड़ियों के प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि राज्य का खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर पदक जीत सकें. राज्य के प्रत्येक जिले में विभिन्न खेलों की गैर आवासीय खेल अकादमियां स्थापित करने का लक्ष्य है. वर्तमान में तीरंदाजी प्रशिक्षण उपकेन्द्र शिवतराई (बिलासपुर), गैर आवासीय हॉकी एवं तीरंदाजी अकादमी, सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम रायपुर, गैर आवासीय बालिका फुटबॉल अकादमी स्वामी विवेकानन्द स्टेडियम कोटा रायपुर, गैर आवासीय बालक एवं बालिका एथलेटिक अकादमी स्वामी विवेकानन्द स्टेडियम कोटा रायपुर का संचालन किया जा रहा है.

खेलों के लिए बनेंगे सात लघु केन्द्र :

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा खेलों को बढ़ावा देने के लिए की जा पहल के बीच छत्तीसगढ़ सरकार के प्रयासों से भारत सरकार की खेलो इंडिया योजना अंतर्गत विभिन्न खेलों के लिए सात लघु केन्द्र स्वीकृत किए गए हैं. इसमें जशपुर में हॉकी, बीजापुर में तीरंदाजी, राजनांदगांव में हॉकी, गरियाबंद में व्हॉलीबॉल, नारायणपुर में मलखम्ब, सरगुजा में फुटबॉल एवं बिलासपुर में तीरंदाजी के लिए खेल लघु केन्द्र की स्वीकृति मिली है. प्रत्येक लघु केन्द्र के लिए सात लाख रुपये के मान से कुल राशि 49 लाख रुपये संबंधित जिला कलेक्टरों को जारी किए जा चुके हैं. खेलो इंडिया लघु केन्द्र के माध्यम से स्थानीय सीनियर खिलाड़ी को प्रशिक्षक के रूप में रोजगार भी उपलब्ध कराया जाएगा.

सिंथेटिक टर्फ और ट्रैक का निर्माण :

जब से छत्तीसगढ़ में खेल को लेकर राज्य सरकार ने प्रयास तेज किए हैं, केन्द्र की ओर से भी इसमें स्वीकृति दी जा रही है. भारत सरकार की खेलो इंडिया योजना अंतर्गत जशपुर में सिंथेटिक टर्फ युक्त हॉकी मैदान के लिए 5.44 करोड़ रुपये, अम्बिकापुर में मल्टीपरपज इंडोर हॉल के लिए 4.50 करोड़ रुपये, जगदलपुर बस्तर में सिंथेटिक फुटबॉल ग्राउण्ड विथ रनिंग ट्रैक के लिए 05 करोड़ रुपये, महासमुंद में सिंथेटिक सतह युक्त एथलेटिक ट्रैक निर्माण के लिए 6.60 करोड़ की स्वीकृति प्राप्त हुई है. वहीं जगदलपुर बस्तर में निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है. उल्लेखनीय है कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स में छत्तीसगढ़ राज्य के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन कर 2 स्वर्ण, 3 रजत और 6 कांस्य पदक, इस प्रकार कुल 11 पदक हासिल किये हैं.

छत्तीसगढ़ खेल विकास प्राधिकरण :

प्रदेश के सभी खेल अकादमियों के संचालन, खेल अधोसंरचनाओं का विकास एवं समुचित उपयोग तथा खेलों के समग्र विकास हेतु छत्तीसगढ़ खेल विकास प्राधिकरण का गठन किया गया है. खेलों को बढ़ावा देने समेत संबंधित अन्य मुद्दों पर चर्चा के लिए प्राधिकरण के गवर्निंग बॉडी और एक्जिक्यूटिव बॉडी की बैठकें भी हो चुकी हैं. इसके साथ ही खेल प्रशिक्षकों के 08 पदों पर संविदा भर्ती की कार्यवाही पूर्ण की जा चुकी है.

पोला तिहार

ग्रामीण जनजीवन में खुशहाली का प्रतीक

"मनोज सिंह, सहायक संचालक. रायपुर. भारतीय संस्कृति में पशु पूजा की परम्परा रही है, इसके प्रमाण सिन्धु सभ्यता में भी मिलते हैं. खेती किसानी में पशुधन के महत्व को दशार्ने वाला पोला पर्व छत्तीसगढ़ के सभी अंचलों में परम्परागत रूप से उत्साह के साथ मनाया जाता है. खेती किसानी में पशुधन का उपयोग के प्रमाण प्राचीन समय से मिलते हैं. पोला मुख्य रूप से खेती-किसानी से जुड़ा त्यौहार है. भादों माह में खेती किसानी का काम समाप्त हो जाने के बाद अमावस्या को यह त्यौहार मनाया जाता है. चूंकि इसी दिन अन्न माता गर्भ धारण करती है अर्थात धान के पौधों में इस दिन दूध भरता है. इसीलिए यह त्यौहार मनाया जाता है. पोला पर्व महिलाओं, पुरूषों और बच्चों के लिए भी विशेष महत्व रखता है."

पोला पर्व के पीछे मान्यता है कि विष्णु भगवान जब कान्हा के रूप में धरती में आये थे, जिसे कृष्ण जन्माष्टमी के रूप में मनाया जाता है, तब जन्म से ही उनके कंस मामा उनकी जान के दुश्मन बने हुए थे, कान्हा जब छोटे थे और वासुदेव-यशोदा के यहां रहते थे, तब कंस ने कई बार कई असुरों को उन्हें मारने भेजा था. एक बार कंस ने पोलापुर नामक असुर को भेजा था, इसे भी कृष्ण ने अपनी लीला के चलते मार दिया था और सबको अचंभित कर दिया था. वह दिन भादों माह की अमावस्या का दिन था. इस दिन से इसे पोला कहा जाने लगा, इस दिन को बच्चों का दिन कहा जाता है.

पोला पर्व के पहले छत्तीसगढ़ में विवाहित बेटियों को ससुराल से मायका लाने की परंपरा है. पोला के बाद बेटियां तीज का त्यौहार मनाती है. तीज के पर्व के सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व को देखते हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने सामान्य अवकाश की घोषणा की है. पोला त्यौहार किसानों के लिए विशेष महत्व रखता है. किसान इस दिन धान की फसल धान लक्ष्मी का प्रतीक मानकर, अच्छी और भरपूर फसल की कामना की कामना करते हैं. इस दिन सुबह से किसानों द्वारा बैलों को नहलाकर पूजा अर्चनाकर कृषि कार्य के लिए दुगने उत्साह से जुटने प्रण लेते हैं. बैलों की पूजा के बाद किसानों और ग्वालों के द्वारा बैल दौड़ का आयोजन जाता है. छोटे बच्चे भी मिट्टी के बैलों की पूजा करते हैं. जहां उन्हें दक्षिणा मिलती हैं. गांवों में कबड्डी, फुगड़ी, खो-खो, पिट्ठुल जैसे खेलकूद का आयोजन होता है. मिट्टी के बैलों को लेकर बच्चे घर-घर जाते हैं. यह त्योहार पशुधन संवर्धन और संरक्षण की आज भी प्रेरणा देता है.

छत्तीसगढ़ धान की खेती सबसे ज्यादा होती है इसलिए यहां चावल और इससे बनने वाले छत्तीसगढ़ी पकवान विशेषरूप से बनाए जाते हैं. इस दिन चीला, अइरसा, सोंहारी, फरा, मुरखू, देहरौरी सहित कई अन्य पकवान जैसे ठेठरी, खुर्मी, बरा, बनाए जाते हैं. इन पकवानों को मिट्टी के बर्तन, खिलौने में भरकर पूजा की जाती है, इसके पीछे मान्यता है कि घर धनधान्य से परिपूर्ण रहे. बालिकाएं इस दिन घरों में मिट्टी के बर्तनों से सगा-पहुना का खेल भी खेलती हैं. इससे सामाजिक रीति रिवाज और आपसी रिश्तों और संस्कृति को समझने का भी अवसर मिलता है. इस दिन छत्तीसगढ़ में गेड़ी का जुलूस निकाला जाता है. गड़ी, बांस से बनाया जाता है जिसमें एक लम्बा बांस में नीचे 1-2 फीट ऊपर आड़ा करके छोटा बांस लगाया जाता है. फिर इस पर बैलेंस करके, खड़े होकर चला जाता है.

पोला पर्व में मिट्टी के खिलौनों की खूब बिक्री होती है. गांव में परंपरागत रूप से कार्य करने वाले हस्तशिल्पी, बढ़ई एवं कुम्हार समाज के लोग इसकी तैयारी काफी पहले से करना शुरू कर देते हैं. इस त्योहार से उन्हें रोजगार भी मिलता है, लोग मिट्टी के बर्तनों का उपयोग करते हुए एक दूसरे के घरों में मिष्ठान पहुंचाते हैं. इस दिन ग्रामीण क्षेत्रों में मितान बदने की भी परम्परा है. एक दूसरे के घरों में मेल मिलाप के लिए जाते हैं. यह पर्व सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से भी हमें मजूबत करता है.

कोरोना महामारी के बाद भी एक साल में 1.15 करोड़ सैलानी पहुंचे छत्तीसगढ़

असीम संभावनाओं के साथ पर्यटकों को लुभा रहा है छत्तीसगढ़ का नैसर्गिक सौंदर्य

कोरोना महामारी के बाद भी एक साल में 1.15 करोड़ सैलानी पहुंचे छत्तीसगढ़ पर्यटन की दृष्टि से छत्तीसगढ़ अत्यंत समृद्ध राज्य है. छत्तीसगढ़ की धरती वन और खनिज संपदा से भरपूर तो है ही इसके साथ ही यहां की कला, संस्कृति और पर्यटन स्थल भी आकर्षण के केन्द्र है.

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के निर्देशन और छत्तीसगढ़ के पर्यटन मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ पर्यटन मण्डल द्वारा प्रदेश में पर्यटन विकास एवं पर्यटकों की गतिविधियों के लिए राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं. राज्य सरकार के प्रयासों का ही नतीजा है कि कोविड महामारी के दौर से उबरने के बाद छत्तीसगढ़ में पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है. वर्ष 2021 में भारतीय और विदेशी मिलाकर 1 करोड़ 15 लाख 32 हजार सैलानियों ने छत्तीसगढ़ का भ्रमण किया है.

छत्तीसगढ़ में लगभग 138 स्थल पर्यटन स्थल

कोरोना महामारी के वैश्विक संकट के इस दौर में केवल भारत ही नहीं बल्कि विश्व की अर्थ व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है. किसी भी राज्य के आर्थिक विकास में पर्यटन की विशेष भूमिका होती है और वर्तमान दौर में पर्यटन उद्योग आर्थिक रूप से सबसे अधिक प्रभावित हुआ है. लेकिन इन सबके बावजूद छत्तीसगढ़ शासन ने विकास की गति को अवरूद्ध नहीं होने दिया है. लॉकडाउन के विभिन्न चरणों के दौरान पर्यटन क्षेत्र को विकसित करने के हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं. इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए प्रदेश की पर्यटन नीति 2020 तैयार की गई है. इस पर्यटन नीति के तहत मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ में पर्यटन विकास के साथ-साथ स्थानीय लोगों को रोजगार प्रदान करना, ग्रामीण पर्यटन का विकास करना स्थानीय लोगों को गाइड ट्रेनिंग प्रोग्राम के तहत पर्यटन उद्योग से जोड़ना है ताकि पर्यटन विकास के सार्थक परिणाम मिल सके. पर्यटकों के लिए होमस्टे की योजना पर कार्य किया जा रहा है, ताकि ग्रामीण अंचल और जनजाति समुदाय की जीवन शैली, परिवेश और स्थानीय खानपान से पर्यटकों को अनुभव प्राप्त हो सके. राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजना राम वन गमन पर्यटन परिपथ निर्माण के प्रथम चरण में 9 स्थलों का चयन कर विकास कार्यों हेतु भगवान राम के ननिहाल चंदखुरी और जांजगीर के शिवरीनारायण में विकास कार्य प्रारंभ किया जा चुका है.

छत्तीसगढ़ में लगभग 138 स्थल पर्यटन स्थल के रूप में रूप में चिन्हित है. पर्यटन के बहुआयामी क्षेत्र में विशेषकर जनजातीय अंचलों में स्थित चुनिंदा पर्यटन स्थलों में खान-पान एवं आवास की बेहतरीन सुविधायुक्त होटल, मोटल, रिसॉर्ट एवं रेस्टोरेंट का निर्माण कर पर्यटकों को सुविधाएं दी जा रही है. भारत के हृदय स्थल में स्थित छत्तीसगढ़ राज्य के उत्तर में सतपुड़ा पहाड़ियों का उच्चतम भूभाग है तो मध्य में महानदी तथा उसकी सहायक नदियों का मैदानी भाग है. इसके दक्षिण में बस्तर का विस्तृत पठार है. छत्तीसगढ़ प्राचीन स्मारकों, दुर्लभ वन्य प्राणियों, नक्काशीदार मंदिरों, बौद्ध स्थलों, राजमहलों, जलप्रपातों, गुफाओं एवं शैलचित्रों से परिपूर्ण है. यहां ऐतिहासिक, पुरातात्विक, धार्मिक एवं प्राकृतिक पर्यटन स्थल है. यहां राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्य प्राणी अभ्यारण्यों के साथ-साथ गौरवशाली लोक संस्कृति का अद्वितीय उदाहरण भी है. बस्तर क्षेत्र में कुटुमसर गुफा एवं कांगेर घाटी, राष्ट्रीय उद्यान, चित्रकोट जलप्रपात महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है जो अपनी अद्भुत छटा के कारण पर्यटकों का दिल जीत रहे हैं. छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों के बारे में पर्यटकों को सुलभ जानकारी उपलब्ध कराने तथा पर्यटन स्थलों के भ्रमण के लिए व्यक्तिगत एवं टूर पैकेज के अन्तर्गत आरक्षण की सुविधा प्रदान करने के लिए छत्तीसगढ़ पर्यटन मण्डल द्वारा नई दिल्ली, गुजरात मध्य प्रदेश के अतिरिक्त प्रदेश में 11 स्थानों पर पर्यटन सूचना केन्द्र स्थापित किया गया है.

देश की जानी-मानी और प्रतिष्ठित मीडिया कंपनी एनडीटीवी पर बहुत जल्द देश के सबसे बड़े रईस गौतम अडाणी के उद्योग समूह का कब्जा हो जाएगा. एनडीटीवी के 29 फीसदी से ज्यादा शेयर पहले ही अप्रत्यक्ष रूप से अडाणी समूह के कब्जे में आ चुके हैं. जल्द ही इस मीडिया कंपनी के 55 फीसदी से ज्यादा शेयर अडाणी ग्रुप के पास होंगे. लेकिन यह सब कैसे हो रहा है और आगे क्या होने वाला है ? आखिर क्या हैं NDTV के अधिग्रहण से जुड़ी बारीकियां ? आइए जानते हैं इससे जुड़े कुछ बेहद अहम सवालों के जवाब :

NDTV के अधिग्रहण की कहानी: अब तक क्या हुआ, आगे क्या होगा?

सवाल 1. NDTV के कितने फीसदी शेयर पर अडाणी ग्रुप का कब्जा पक्का हो चुका है?

अडाणी समूह की तरफ से मंगलवार को दी गई जानकारी के मुताबिक एनडीटीवी के 29.18 फीसदी शेयर अप्रत्यक्ष रूप से उसके नियंत्रण में आ चुके हैं. दरअसल ये 29.18 फीसदी शेयर एनडीटीवी की प्रमोटर ग्रुप कंपनी RRPR Holdi»»fg Pvt Ltd के पास थे. जिन्हें अडाणी समूह ने अपने नियंत्रण में ले लिया है.

सवाल 2. एनडीटीवी के 29.18% शेयर पर अडाणी ग्रुप का नियंत्रण कैसे?

एनडीटीवी के जो 29.18 फीसदी शेयर्स RRPR Holdi»»fg Pvt Ltd के पास थे, वे अब विश्वप्रधान कॉमर्शियल प्राइवेट लिमिटेड (VCPL) ने ले लिए हैं. VCPL अडाणी ग्रुप की कंपनी एएमजी मीडिया नेटवर्क्स लिमिटेड (AMNL) के पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी है. इस तरह एनडीटीवी के शेयर श्उढछ के जरिए अडाणी ग्रुप के ही नियंत्रण में होंगे.

सवाल 3. VCPL ने किस डील के तहत लिये एनडीटीवी के शेयर?

दरअसल एनडीटीवी के 29.18 फीसदी शेयर रखने वाली कंपनी RRPR होल्डिंग प्राइवेट लिमिडेट VCPL की करीब 350 करोड़ रुपये की कर्जदार थी. इस कर्ज को ही VCPL ने इक्विटी में बदलकर RRPR होल्डिंग की 99.5 फीसदी हिस्सेदारी अपने नाम कर ली, यानी उस पर कब्जा कर लिया. कर्ज के बदले इक्विटी का विकल्प लोन की शर्तों में पहले से ही शामिल था. श्उढछ ने सिर्फ उस ऑप्शन का इस्तेमाल किया है. इस तरह जब RRPR होल्डिंग पर श्उढछ का कब्जा हो गया तो जाहिर है, उसके पास मौजूद एनडीटीवी के 29.18 फीसदी शेयर भी श्उढछ के कब्जे में आ गए. जैसा कि हम आपको पहले बता चुके हैं, VCPL अडाणी ग्रुप की कंपनी

एएमजी मीडिया नेटवर्क्स लिमिटेड (AMNL) के सौ फीसदी स्वामित्व वाली सब्सिडियरी है. लिहाजा VCPL के पास एनडीटीवी के जो 19.18 फीसदी शेयर हैं, वे अब अडाणी ग्रुप के नियंत्रण में हैं.

सवाल 4. एनडीटीवी का मौजूदा शेयर-होल्डिंग पैटर्न क्या है?

बीएसई (BSE) की वेबसाइट पर मौजूद जानकारी के मुताबिक एनडीटीवी के प्रमोटर्स प्रणव रॉय और राधिका रॉय के पास कुल मिलाकर कंपनी के 32.26 फीसदी शेयर हैं. इनमें से 15.94 फीसदी शेयर डॉ प्रणव रॉय के पास और 16.32 फीसदी इक्विटी शेयर राधिका रॉय के पास हैं. कंपनी के 38.55 फीसदी शेयर पब्लिक के पास हैं, जिसमें आम निवेशकों के पास रिटेल करीब 12.51 फीसदी शेयर हैं. 14.70 फीसदी शेयर फॉरेन पोर्टफोलियो इनवेस्टर्स (FPI) के पास हैं.

सवाल 5. अडाणी ग्रुप 26% शेयर के लिए ओपन ऑफर क्यों ला रहा है?

SEBI के नियमों के तहत अगर कोई कंपनी किसी दूसरी कंपनी के शेयरों को बड़े पैमाने पर खरीदती है, तो उसके लिए ओपन ऑफर लाना जरूरी होता है. इसी नियम का पालन करने के लिए अडाणी ग्रुप की कंपनियां 26 फीसदी शेयर खरीदने के लिए ओपन ऑफर ला रही हैं.

सवाल 6. ओपन ऑफर में एनडीटीवी के शेयर किस कीमत पर खरीदे जाएंगे?

ओपन ऑफर के तहत एनडीटीवी के 1 करोड़ 67 लाख 62 हजार 530 फुल्ली पेड-अप शेयर खरीदने का प्रस्ताव है. ये शेयर 294 रुपये प्रति शेयर की दर से खरीदने की पेशकश अडाणी समूह ने की है. ये पेशकश समूह की तीन कंपनियों की तरफ से की गई है, जिनके नाम हैं - VCPL, एएमजी मीडिया नेटवर्क्स और अडाणी एंटरप्राइज लिमिटेड.

सवाल 7. क्या अडाणी समूह का ओपन ऑफर सफल होगा? उसके बाद क्या होगा?

अडाणी समूह का ओपन ऑफर सफल रहा तो एनडीटीवी के 55.18 फीसदी शेयर उसके पास आ जाएंगे. हालांकि ऐसा होगा या नहीं, ये शेयर धारकों के रिस्पॉन्स पर निर्भर है. एनडीटीवी का 4 रुपये फेस वैल्यू वाला शेयर मंगलवार को 376.55 रुपये पर बंद हुआ था. ऐसे में सवाल यह है कि आम निवेशक भला मौजूदा बाजार कीमत से कम पर अपने शेयर अडाणी समूह को क्यों बेचेंगे? वो भी तब जब उन्हें यह कंपनी देश के सबसे रईस शख्स के पास जाती नजर आ रही है? बहरहाल, प्रमोटर्स समेत कुछ बड़े निवेशक अगर किसी और वजह से अपनी पूंजी यहां से निकालकर कहीं और ले जाना चाहें तो वे जरूर इस ओपन ऑफर का इस्तेमाल कर सकते हैं.

इस समय सांप्रदायिक सद्भाव समय की जरूरत है

हिंदू त्योहारों में भाग लेने से कभी नहीं हिचकिचाते है कालीमिर्ची

मुस्लिम होकर भी खुद गणपति की मूर्ति लेकर आया यह पुलिस इंस्पेक्टर

आजकल हर दूसरे दिन धर्म के नाम पर हो रही हिंसा की खबरें हम सुनते हैं. लेकिन इस बीच कई ऐसे उदाहरण सामने आते हैं जो मन में एकता की आस को बनाए रखते हैं. कर्नाटक में हुबली के गोकुल रोड पुलिस स्टेशन में कुछ ऐसा ही देखने को मिला.

इस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक जे एम कालीमिर्ची, गणेश चतुर्थी के मौके पर भगवा टोपी पहनकर खुद गणेशजी की मूर्ति को लेकर आए और स्टेशन में मूर्ति की स्थापना कराई. यह बात दिलचस्प इसलिए है क्योंकि इंस्पेक्टर कालीमिर्ची धर्म से मुस्लिम है.

बचपन से देखा है हिंदू-मुस्लिम का भाईचारा

कालीमिर्ची कोप्पल जिले के एक छोटे से मुंगर गांव से आते हैं, जहां हिंदू और मुसलमान दोनों मिलकर गणेश उत्सव मनाते हैं. उन्होंने हमेशा से धार्मिक सद्भाव देखा है. इसलिए किसी भी त्योहार को मना लेते हैं. उनके गांव में पीढ़ियों से हिंदुओं को दरगाह परंपराओं का पालन करते देखा जाता है. कई मुसलमान हैं जो मंदिरों में जाते हैं और वार्षिक मेले में भाग लेते हैं. उत्तरी कर्नाटक के कई हिस्सों में मंदिर के रथ को दोनों समुदायों के लोग खींचते हैं. कालीमिर्ची का कहना है कि हम सभी भाई हैं और सद्भाव में रहना हमारी जरूरत है. स्टेशन प्रमुख के रूप में उमकी नियुक्ति से सभी कर्मचारी खुश हैं.

फैला रहे हैं धार्मिक सद्भाव

यह पहली बार नहीं है जब इंस्पेक्टर कालीमिर्ची को ऐसा करते देखा गया है. 2021 में भी वह अपने थाने में गणेश स्थापना के लिए सबसे आगे थे. धार्मिक सद्भाव फैलाने के उनके इस कार्य की प्रशंसा हर तरफ से की गई थी. मीडिया से बात करते हुए, इंस्पेक्टर कालीमिर्ची ने कहा कि इस समय सांप्रदायिक सद्भाव समय की जरूरत है और वह हिंदू त्योहारों में भाग लेने से कभी नहीं हिचकिचाते है. उनका कहना है कि वह जन्म से मुसलमान हैं लेकिन जब ड्यूटी के लिए अपने घर से निकलते हैं तो सिर्फ एक भारतीय होते हैं और कुछ भी नहीं. यहां तक कि स्थानीय लोगों की मांग पर उन्होंने अपने पुलिस स्टेशन के पास एक मंदिर के निर्माण का नेतृत्व किया था और हाल ही में, उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर मोमबत्ती बनाने वाली एक फैक्ट्री में फंसे श्रमिकों को बाहर निकाला. इस फैक्ट्री में आग लग गई थी.

इस खूबसूरत अफगानी क्रिकेट फैन पर फिदा हुए लोग

> एशिया कप 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में अफगानिस्तान को चीयर करने पहुंची एक महिला की क्रिकेट फैन की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. हर कोई जानना चाहते है कि बला की खूबसूरत लड़की आखिर है कौन? एशिया कप का बुखार हर किसी को सिर चढ़कर बोल रहा है. पुरुष हो या महिला हर मैन अपनी फेवरिट टीम को चीयर करने के लिए स्टेडियम पहुंच रहा है.

अफगानिस्तान और बांग्लादेश के बीच खेले गए मंगलवार को मुकाबले में ऐसा ही एक खूबसूरत चेहरा दिखा था, जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. अफगानिस्तान टीम को झंडे के साथ चीयर करते दिखीं वाजमा अयूबी लोगों को इतनी पसंद आ रही हैं कि कुछ ने तो भारत और अफगान के बीच सीरीज करना का निवेदन किया है.

रिपोर्ट की मानें तो बला की खूबसूरत वाजमा अयूबी अफगानिस्तान की बिजनसवुमेन और सोशल एक्टिविस्ट हैं. वह स्पोर्ट में भी अच्छी दखल रखती हैं. जब वह टीम को चीयर कर रही थीं तो एक ट्विटर हैंडल से उनकी तस्वीर ट्वीट हुई. इसके बाद लोगों की प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है. दरअसल, दमदार गेंदबाजी प्रदर्शन के बाद शानदार बल्लेबाजी के प्रयास से अफगानिस्तान ने मंगलवार को शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में ग्रुप बी के मैच में बांग्लादेश को सात विकेट से हराकर एशिया कप 2022 के सुपर फोर के लिए क्वॉलिफाइ कर लिया.

श्रीलंका और बांग्लादेश के खिलाफ लगातार जीत के साथ, अफगानिस्तान सुपर फोर में जगह बनाने वाली पहली टीम बन गई. टॉस जीतकर और पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद, बांग्लादेश के बल्लेबाज ठीक ढंग से नहीं खेल सके, पिच में ग्रिप और टर्न थे. अफगानिस्तान के स्पिन जुड़वां मुजीब उर रहमान (3/16) और राशिद खान (3/22) ने क्रमशः पावरप्ले और बीच के ओवरों में टाइट लेंथ और लाइन फेंकी और अपना जाल बिछाया.

जब महमुदुल्लाह (27 रन पर 25) 15.4 ओवर में आउट हुए, बांग्लादेश 89-6 पर आउट हो गया और ऐसा लग रहा था कि वे 100 भी नहीं बना पाएंगे. हालांकि, मोसादेक हुसैन की 31 गेंदों में 48 और मेहदी हसन की 12 गेंदों में 14 की मदद से बांग्लादेश को मदद मिली. उन्हें 20 ओवरों में 127/7 के सम्मानजनक कुल तक पहुंचाया.

एक सम्मानजनक लक्ष्य का पीछा करते हुए, नजीबुल्लाह जादरान और इब्राहिम जादरान ने शानदार पारियां खेलीं और अफगानिस्तान को 18.3 ओवर में सात विकेट के साथ जीत दिलाई. नजीबुल्लाह और इब्राहिम के अलावा, हजरतुल्लाह जजई ने भी एक महत्वपूर्ण पारी खेली. बांग्लादेश के लिए मोसादेक हुसैन , शाकिब अल हसन , और मोहम्मद सैफुद्दीन विकेट लेने वाले गेंदबाज थे.

जीवन और करियर के लिए 8 जरूरी मंत्र

अपनी जिंदगी में कामयाब होने की ख्वाहिश तो सबकी होती है, लेकिन सवाल ये होता है कि सफलता का रास्ता कहां से होकर जाता है ? अगर आप भी इस तरह के सवालों से जूझ रहे हैं तो हम आज आपको ऐसे 8 टिप्स बता रहे हैं, जो आपको अपने जीवन और करियर दोनों में सफलता दिलाने में मददगार साबित हो सकते हैं.

1 सही प्रोफेशन की पहचान

करियर में आगे बढ़ने के लिए सही प्रोफेशन का चुनाव बेहद जरूरी है. आपके लिए सही प्रोफेशन वही हो सकता है, जिसमें आप इंटरेस्ट यानी दिलचस्पी लेते हों. सही प्रोफेशन का चुनाव करने के बाद आप यह भी तय करें कि उस प्रोफेशन में आप किस मुकाम तक जाना चाहते हैं. अगर आप इस तरह मानसिक रूप से तैयार होंगे तो मौका मिलने पर अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे. अगर आप एक साथ कई लक्ष्य पाने की कोशिश करेंगे और उनके बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं होगी तो आगे की राह मुश्किल हो जाएगी.

2 अपने लक्ष्य पर टिके रहें

एक बार करियर या प्रोफेशन का गोल यानी लक्ष्य तय कर लेने के बाद आप उस मुकाम को हासिल करने में जुट जाएं. खुद को यह भरोसा दिलाना भी जरूरी है कि आप अपने लक्ष्य की तरफ बढ़ रहे हैं. अगर आप ऐसा महसूस कर पा रहे हैं तो कामयाबी की मुश्किल राह भी आसान महसूस होगी.

3 प्रोफेशन की जरूरत के हिसाब से खुद को तैयार करें

आपने जिस भी प्रोफेशन में जाने का फैसला किया है उसकी मांग के अनुरूप खुद को पहले से ही तैयार करना शुरू कर दीजिए. प्रोफेशन की मांग के अनुरुप अकादमिक कोर्स, ज्ञान और स्किल में पारंगत हो जाएं. ये सब करने के लिए अगर आपके सामने आर्थिक या अन्य चुनौतियां आ रही हैं तो उनसे निजात पाने के लिए आप बैंक या सगे-संबंधियों की मदद ले सकते हैं. आजकल बैंकों की तरफ से छात्रों को शिक्षा के लिए एजुकेशन लोन की सुविधा भी मुहैया कराई जाती है.

4 पॉजिटिव बनें रहें

कुछ भी हासिल करने के लिए पॉजिटिव एटीट्यूड का होना बेहद जरुरी है. जिनके इरादे सकारात्मक होते हैं उनके प्रयासों में ऊर्जा नजर आती है. ऐसे लोगों के सफल होने की संभावना भी सबसे ज्यादा होती है. अगर पॉजिटिव इरादे के साथ आप भी लगातार आगे बढ़ेंगे और अपने प्रोफेशन के अनुरुप काम करेंगे तो निश्चित रुप से अपना मुकाम पाने में कामयाब होंगे.

5 लक्ष्य तक पहुंचने के लिए खुद को तैयार करें

ड्रीम जॉब हासिल करने या अपना भविष्य सुरक्षित करने के लिए आपको हमेशा पॉजिटिव बने रहना होगा. अगर आप निगेटिव महसूस कर रहे हैं तो इस एहसास से बाहर निकलने की कोशिश करें. अपने पॉजिटिव एटीट्यूड पर निगेटिव विचारों को हावी न होने दें.

6 पिछली गलतियों से सबक लें

अतीत में यानी गुजरे हुए कल में आपसे जो गलतियां हुई हैं, उनसे सबक लेकर आगे बढ़ें. कोशिश करें कि आप अपना समय अपनी क्षमता बढ़ाने पर खर्च करेंगे. अगर आप ऐसा करते हैं तो बेशक आप अपने गोल की तरफ आगे बढ़ रहे हैं.

7 काम का सम्मान करें और उसे याद भी रखें

काम करने वाले को सम्मान देना बेशकीमती इमोशन है, चाहे वह काम आप ने खुद क्यों न किया हो. साथ ही दूसरों द्वारा किए गए कामों के प्रति कृतज्ञता जाहिर करना भी जरूरी है. अगर आप नियमित रूप से इस आदत को अपनी रोजमर्रा की जिन्दगी में शामिल करेंगे तो निश्चित रूप से आप सफलता हासिल करेंगे. पॉजिटिव एनर्जी और विचारों के साथ जो व्यक्ति अपना काम करता है उसके नतीजे भी पॉजिटिव ही आते हैं.

8 सफल मेंटॉर को फॉलो करें

एक सफल मेंटॉर अपने मैत्रीपूर्ण और मददगार रवैए से अपने सहयोगी को आगे बढ़ने में मदद करता है. आप ने जिस भी फील्ड में जाने का फैसला किया है, उसमें माहिर लोगों की तलाश करें और उनसे जुड़ने की कोशिश करें. ध्यान रहे आपको उन्हें अपना मेंटॉर बनाना होगा, जो आपको एक बेहतर प्रोफेशनल बनने में आपकी मदद कर सकें, आपको कुछ सिखा सकें.

निवेश करते समय ये 5 बड़ी गलतियां करते हैं नए निवेशक

निवेश की शुरूआत जितनी कम उम्र में की जाए आगे चलकर उतना ही लाभ होता है. निवेश सलाहकार भी हमेशा यही कहते हैं कि रेगुलर इनवेस्टमेंट जितनी जल्दी शुरू करेंगे उतना ही बेहतर होगा.

लेकिन नए निवेशक कई बार ऐसे फैसले कर बैठते हैं, जिससे उन्हें फायदे की जगह नुकसान उठाना पड़ सकता है. यहां हम आपको उन पांच गलतियों के साथ-साथ उनसे बचने के उपाय भी बता रहे हैं, जिन पर अमल करके नए और युवा निवेशक भी अपने इनवेस्टमेंट पर बेहतर और सुरक्षित रिटर्न हासिल कर सकते हैं.

फाइनेंशियल लिटरेसी की कमी

फाइनेंशियल लिटरेसी पर ध्यान न देना बहुत बड़ी गलती है. कई बार नए और युवा निवेशक इस मामले में चूक कर जाते हैं. उन्हें इस बात की जानकारी नहीं होती कि उन्हें अपनी आमदनी का कितना हिस्सा कैसे और कहां निवेश करना चाहिए. उन्हें कंपाउंडिंग रिटर्न की खूबियों और निवेश में मौजूद रिस्क को बारे में पता नहीं होता है. इस जानकारी के अभाव में वे कई बार अपना बड़ा नुकसान कर बैठते हैं. अगर निवेश का फैसला करने से पहले आप पर्सनल फाइनेंस और निवेश की बारीकियों को अच्छी तरह से समझ लेंगे तो इस नुकसान से बचा जा सकता है. इसके लिए निवेश के बारे में जानकारी देने वाली किताबें पढ़ सकते हैं या फिर ऑनलाइन या ऑफलाइन सलाह देने वाले विशेषज्ञों की मदद ली जा सकती है.

वित्तीय लक्ष्य और निवेश का प्लान तय न होना

इनवेस्टमेंट के बारे में फैसला करते समय युवा निवेशक दूसरी बड़ी गलती तब करते है, जब उनके सामने निवेश का लक्ष्य और उसे हासिल करने का पूरा रोडमैप नहीं होता है. अगर निवेश का टार्गेट ही तय नहीं है, तो बेहतर नतीजे मिलने की उम्मीद भी नहीं की जा सकती. अगर आप अपने निवेश करने को लेकर सीरियस हैं तो उसकी प्लानिंग अच्छी तरह से करें. समय देकर रिसर्च करें और तय करें कि आपके निवेश का लक्ष्य क्या है? निवेश एक स्ट्रैटेजी के तहत करें और अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए एसेट जुटाएं.

रातों-रात मुनाफा कमाने के लालच से बचें

शार्ट-टर्म गेन यानी कम से कम समय में मुनाफा हो जाए तो सबको अच्छा लगेगा. लेकिन हकीकत में ऐसा कम ही होता है. कई बार नौजवान किसी मशहूर शख्सियत या अपने किसी परिचित व्यक्ति के बेहद कम समय में अचानक हुई तरक्की को देखकर सोच लेते हैं कि वे भी निवेश करके रातों-रात अमीर हो जाएंगे. लेकिन बिना सोचे समय हड़बड़ी में उठाया गया कदम उनके लिए नुकसानदेह साबिक हो सकता है. युवाओं के लिए ये समझना बेहद जरूरी है कि निवेश एक लांग-टर्म डील है. इसके लिए संयम बहुत जरुरी है. जब आप किसी स्कीम में निवेश करते हैं तो प्रॉफिट मिलने में वक्त लगता है. आपका ध्यान फौरन मुनाफे कमाने पर नहीं, बल्कि बेहतर स्कीम में निवेश करने पर होना चाहिए, जो समय के साथ ग्रो करे और आपके भविष्य के लिए फाइनेंशियल सिक्योरिटी यानी वित्तीय सुरक्षा भी मुहैया कराए.

निवेश में डायवर्सिफिकेश का ध्यान रखें

आपको अपनी सारी बचत किसी एक ही स्कीम में निवेश करने से बचना चाहिए. अगर आप अपनी पूंजी को अलग-अलग योजनाओं और इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश करते हैं, तो पैसे डूबने या खराब रिटर्न मिलने का रिस्क घटता है. मान लीजिए कोई एक स्कीम फेल भी हो जाए या उसका परफार्मेंस उम्मीद से कम हो, तो उसके नुकसान की भरपाई दूसरी जगह किए गए निवेश से की जा सकती है.

भावनाओं में बहकर न करें निवेश का फैसला

वित्तीय निवेश के मामलों में भावनाओं से काम न लें. जब भी आप निवेश करने की सोचे उससे जुड़ी जानकारियां जुटाएं. निवेश संबंधी रिसर्च करें और अपडेटेड रहें. इसके लिए फाइनेंशियल टर्म्स और कंसेप्ट्स की बुनियादी जानकारी होना बेहद जरुरी है. निवेश के बारे में कोई भी फैसला करने से पहले इकॉनमी, शेयर मार्केट या ग्लोबल मार्केट में हो रहे उतार-चढ़ावों और रुझानों को समझना भी जरूरी है.

ये है सोनाली फोगाट की पूरी मर्डर मिस्ट्री

बीजेपी नेता और पूर्व टिक-टॉक स्टार सोनाली फोगाट की मौत की जांच जारी है. रोजाना नए खुलासे हो रहे हैं. अब तक 5 लोगों को इसमें गिरफ्तार किया जा चुका है. गिरफ्तारों की सूची में सोनाली का पीए भी शामिल है. आइए जानते हैं अब तक इस मामले में क्या-क्या हुआ

नई दिल्ली. 23 अगस्त, दोपहर का समय, सबकुछ सामान्य चल रहा था कि तभी गोवा के पणजी से खबर आती है कि बीजेपी नेता और पूर्व टिक-टॉक स्टार सोनाली फोगाट का निधन हो गया है. पहले मौत को हार्ट अटैक बताया गया लेकिन दूसरे ही दिन सोनाली के शरीर में मिले चोट के निशान बता रहे थे कि यह सामान्य मौत नहीं है. परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया जिसके बाद पुलिस ने फोगाट के पीए से लेकर अब तक 5 लोगों को गिरफ्तार किया है. सोनाली के पीए के अलावा रेस्तरां के मालिक और ड्रग पेडलेर दत्ता प्रसाद गांवकर को भी गिरफ्तार किया गया है. पीए सुधीर सांगवान ने यह भी कबूला है कि उसने सोनाली को जबरन ड्रग्स पिलाई थी. इसके साथ यह ड्रग्स ग्रैंड लीओनी रिजॉर्ट के वेटर से सुधीर और सुखविंदर ने खरीदी थी. इसके बाद हम आगे की कड़ी में सोनाली फोगाट के मर्डर केस को लेकर अब तक की पूरी कहानी समझेंगे.

5 और 7 हजार रुपये में खरीदी गई ड्रग्स

जिस टउ्टअ ड्रग्स की बात ऊपर की गई उसे 5 और 7 हजार में खरीदी गई थी. ग्रैंड लियोनी रिजार्ट के वेटर स्टाफ दत्ता गांवकर से 5 और 7 हजार में खरीदी गई थी. शाम 7:30 बजे सोनाली कोल ड्रग्स दिया गया था और रात 12 बजे दोबारा ड्रग्स दी गई थी. तीनों यानि सोनाली फोगाट, पीए सुधीर और सुखविंदर ने ड्रग्स लेने से पहले स्नैक्स मंगाया गया था.

सोनाली फोगाट को दिया गया था मेथामफेटामाइन ड्रग

शनिवार को पुलिस की जांच में पाया गया था कि उन्हें मेथामफेटामाइन नाम का ड्रग दिया गया था. गोवा पुलिस ने बताया गया कि जिस मेथामफेटामाइन नामक ड्रग वह सेक्स की उत्तेजना बढ़ाने के लिए दी जाती है. संबंधित ड्रग्स कर्लीज रेस्तरां के वॉशरूम से जब्त की गई है.

सीएम मनोहर लाल ने की थी सोनाली के परिवारजनों से मुलाकात

सीएम मनोहर लाल ने सोनाली के परिवारवालों से मुलाकात की थी. मुलाकात के बाद हरियाणा के सीएम ने कहा कि हमारी सरकार गोवा की सरकार को इस हत्या की जांच सीबीआई को सौंपने को कहेंगे. इससे पहले भी मनोहर लाल ने कहा था कि अगर परिवार हमसे कहता है तो हम सोनाली के मौत की जांच सीबीआई को सौंपने को तैयार हैं.

सोनाली फोगाट के पांचों आरोपी कौन हैं

सोनाली फोगाट केस में अब तक 5 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है. पहला आरोपी सोनाली का निजी सहायक सुधीर सांगवान है. उसकी मुलाकात 2019 के हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान सोनाली से हुई थी. दूसरा आरोपी सुधीर का दोस्त सुखंविदर सिंह है. सुखविंर सुधीर के जरिए सोनाली से मिला था. सुखविंदर हरियाणा के चरखी दादरी जिले के मंडोला गांव का रहने वाला है. तीसरा आरोपी कर्लीज क्लब का मालिक एडविन्स न्यून्स हैं. यहीं सोनाली को ड्रग्स दी गई थी. चौथा आरोपी कर्लीज रेस्तरां का स्टाफ दत्ता प्रसाद गांवकर है जिससे सुधीर और सुखविंदर ने ड्रग्स ली थी. पांचवा आरोपी भी एक ड्रग पेडलेर ही है.

परिवार ने लगाया हत्या का आरोप

सोनाली फोगाट के परिवार वालों ने पहले दिन ही यानि 23 अगस्त को ही इसे सामान्य हत्या की बात नकार दी थी. सोनाली के परिवारवालों ने कहा कि उसे हार्ट अटैक नहीं आया था क्योंकि वह पूरी तरह से फिट थी. यह सामान्य हत्या नहीं है. जरूर इसके पीछे साजिश है. हम शांत नहीं बैठेंगे.

22 अगस्त को गाने की शूटिंग के लिए गोवा गई थीं सोनाली

सोनाली फोगाट 22 अगस्त को एक गाने की शूटिंग के लिए गोवा गई थीं. वहां उन्हें जबरन 2 बार ड्रग्स दिया गया, उनकी हालत खराब हुई और 23 अगस्त को उनकी मौत हो गई. पहले दिन इसे हार्ट अटैक बताया गया लेकिन अगले ही दिन गोवा पुलिस की तरफ से कई सनसनीखेज खुलासे किए गए थे.

सोनाली के पीए ने कबूला जुर्म कहा- जबरन पिलाई ड्रग्स

सोनाली फोगाट मर्डर के की जांच जैसै-जैसै आगे बढ़ रही है वैसे-वैसे कई राज खुलकर ,सामने आ रहे हैं. सोमवार को गिरफ्तार सोनाली फोगाट के निजी सहायक सुधीर ने यह कबूल किया कि उसने ही सोनाली को दो बार जबरन ड्रग्स का सेवन कराया था. पुलिस की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि सुधीर और सुखविंदर ने 5 से 7 हजार रुपए में ड्रग्स खरीदी थी. पुलिस की कंप्लेंट कॉपी के अनुसार, हत्या से एक दिन पहले यानि 22 अगस्त को सोनाली सुधीर और सुखविंदर वासी के साथ 22 अगस्त को फ्लाइट से गोवा पहुंची थीं. वह वहां ग्रैंड लियोनी रिजॉर्ट में रूकी थी. यहीं शाम उन्हें ड्रग्स दी गई थी

दो बार ड्रग्स के सेवन के बाद ठीके से उठ नहीं पा रही थीं सोनाली

22 अगस्त को उन्हें शाम को ड्रग्स पिलाने के बाद सुधीर और सुखविंदर उन्हें कर्लीस क्लब लेके गए थे. रात 12 बजे के बाद सोनाली को दोबारा ड्रग्स का सेवन कराया गया था. इसके बाद देर रात 2:30 बजे सोनाली की तबीयत बिगड़ना शुरू हुई. सुधीर उन्हें लेडीज टॉयलट में लेकर जाया गया. उन्हें उल्टियां हुईं. सुबह साढें 4 बजे सोनाली को फिर टॉयलट ले जाया गया. सुबह 6 बजे सोनाली फोगाट को इसके बाद रिजॉर्ट लेकर जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया.

पीए सुधीर सहित 5 लोगों की हो चुकी है गिरफ्तारी

पुलिस अब तक 5 लोगों को इस मामले में गिरफ्तार कर चुकी है. गिरफ्तार लोगों में खुद सोनाली का निजी सहायक सुधीर वासी और सुखविंर है. इसके अलावा ड्रग पेडलर, रेस्तरां के मालिक तक को गिरफ्तार किया गया है. इससे पहले ड्रग पेडलर दत्ता प्रसाद गांवकर को भी गिरफ्तार किया है. रेस्तरां के मालिक एडविन्स न्यूस और गावंकर के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है.

हार्दिक का छक्का देख पागल हुआ अफगानी टीवी चूमकर कमरे से भागा

नई दिल्ली. एशिया कप 2022 में भारत का पहला मुकाबला पाकिस्तान से था और टीम इंडिया ने यह मैच पांच विकेट से जीता. भारत की जीत में सबसे बड़ा योगदान हार्दिक पांड्या का था, जिन्होंने पाक टीम पर दोतरफा वार करते हुए टीम इंडिया को जीत दिलाई. हार्दिक ने पहले अपनी शॉर्ट पिच गेंदों से कहर बरपाया और चार ओवर में 25 रन देकर तीन अहम विकेट लिए. इसके बाद बल्ले के साथ भी उन्होंने कमाल किया और 17 गेंदों में 33 रन की नाबाद पारी खेली.

हार्दिक ने पहले गेंद के साथ कमाल किया फिर बल्ले के साथ तूफानी पारी खेलकर टीम इंडिया को जीत दिला दी. उनके इस खेल के सभी दीवाने हो गए और जमकर तरीफ की, लेकिन एक फैन ने कुछ ऐसा किया, जो कम ही देखने को मिलता है.

आखिरी ओवर में भारत को जीत के लिए सात रन चाहिए थे, लेकिन गेंदबाज मोहम्मद नवाज ने शुरूआती तीन गेंदों में एक रन दिया और एक विकेट भी ले चुके थे. हालांकि, हार्दिक ने चौथी गेंद में छक्का लगाकर भारत को जीत दिला दी. उनके इस छक्के के सभी दीवाने हो गए. जगह-जगह लोगों ने घर से बाहर आकर जश्न मनाया और हार्दिक की जमकर तारीफ की.

पाकिस्तान पर भारत की जीत के बाद भारतीय फैंस के जश्न मनाने के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं. इस वीडियो में हार्दिक की जमकर तारीफ हो रही है, लेकिन एक वीडियो मैच खत्म होने के तीसरे दिन भी चर्चा में बना हुआ है. इस वीडियो में हार्दिक के छक्का लगाने के बाद उनका एक फैन टीवी स्क्रीन के पास जाता है और हार्दिक को चूमकर जश्न मनाता है फिर कमरे से बाहर चला जाता है. यह वीडियो अफगानिस्तान का बताया जा रहा है.

भुवनेश्वर कुमार के 26 रन देकर चार और हार्दिक ने 25 रन देकर तीन विकेट की मदद से भारत ने पाकिस्तान को 147 रनों पर समेट दिया. मैच की दूसरी पारी में पाकिस्तान के गेंदबाजों ने अच्छा संघर्ष किया, लेकिन अंत में हार्दिक ने भारत को जीत दिला दी. विराट कोहली और रवींद्र जडेजा ने भी 35-35 रन की पारियां खेलीं और टीम की जीत में अहम योगदान दिया.

श्री बालाजी हॉस्पिटल

डिलीवरी होने पर फीस के रूप में भगवान गणेश को चढ़ाने होंगे 1 किलो मोदक

रायपुर. आज से पूरे देश में गणेश उत्सव मनाया जा रहा है. 11 दिन तक चलने वाले इस महापर्व पर राजधानी रायपुर के एक अस्पताल ने अनोखी पहल शुरू की है. जिसके तहत अस्पताल में डिलीवरी होने पर अस्पताल बतौर फीस प्रसाद में भगवान गणेश को 1 किलो मोदक प्रसाद के रूप में लेगा. ये पहल राजधानी रायपुर के मोवा स्थित श्री बालाजी हॉस्पिटल में किया जा रहा है. अस्पताल के डॉयरेक्टर डॉ देवेंद्र नायक ने बताया कि अस्पताल में पहले से बेटी के जन्म होने पर कोई शुल्क नहीं लिया जाता है. लेकिन अब इस गणेश उत्सव में अस्पताल ने ये पहल शुरू करने का फैसला किया है.

जिसमें डिलीवरी के दौरान लड़का हो या लड़की दोनो के लिए अस्पताल प्रबंधन बतौर फीस भगवान गणेश को प्रसाद के रूप में सबसे प्रिय 1 किलो मोदक लेगा. हालांकि इसमें लड़की होने पर दवाईयों का भी शुल्क अस्पताल प्रबंधन नहीं लेता है.

यदि ऑपरेशन से डिलीवरी हुई तो ?

अब सवाल ये है कि क्या डिलीवरी ऑपरेशन से हुई तो भी अस्पताल प्रबंधन प्रसाद के रूप में 1 किलो मोदक लेगा, या ऑपरेशन का चार्ज अतिरिक्त लिया जाएगा ? तो जवाब है नहीं. यदि डिलीवरी ऑपरेशन से भी होती है तो अस्पताल फीस के रूप में भगवान गणेश को प्रसाद के रूप में 1 किलो मोदक के अतिरिक्त कोई भी शुल्क नहीं लेगा.

डेट बुक करने पर भी मरीजों को मिलेगा इस पहल का लाभ

अस्पताल प्रबंधन के लिए फैसले के मुताबिक इन 11 दिनों में जिन लोगों की डिलवरी डेट है उन्हें तो ये लाभ मिलेगा ही, इसके साथ ही यदि कोई प्रेग्नेंट महिला डिलीवरी के लिए अपना नाम रजिस्ट्रेशन करवती है तो उसकी डिलवरी डेट के लिए भी वे इस पहल का लाभ ले सकती है.

ऑयुष्मान कार्ड से निजी अस्पताल में बंद हो गया है डिलीवरी का पैकेज

निजी अस्पतालों में अब तक डिलीवरी के लिए अब तक आयुष्मान कार्ड का इस्तेमाल किया जा सकता था. लेकिन अब ये केवल शासकीय अस्पतालों के लिए रिजर्व है. यही कारण है कि लोगों को इससे परेशानी हो रही है, लेकिन अब श्री बालाजी हॉस्पिटल की इस अनोखी पहल का लाभ प्रदेश समेत पड़ोसी राज्य के लोग भी ले सकते है.

रायपुर. जियो ने नए डिवाइस JioAirFibre को लाने का एलान कर दिया है. इस डिवाइस के आने बाद यूजर्स घर बैठे या ऑफिस में फाइबर केबल कनेक्शन के बिना 5G सर्विस का लाभ ले सकेंगे. जियो अपनी इस सर्विस को ट्रू 5G कह रही है. कंपनी अपनी इस सेवा को अक्टूबर के आखिर तक लॉन्च करने जा रही है. जिसके के बाद जियो एयर फाइबर डिवाइस से Jio 5G सेवाएं ली जा सकेगी. सोमवार को इसका एलान खुद रिलायंस इंडस्ट्री के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कंपनी की 45वीं सालाना जनरल मीटिंग में किया.

मुकेश अंबानी का एलान

अक्टूबर में लॉन्च होगा JioAirFibre

मुकेश अंबानी ने एजीएम में बताया कि जियो अल्ट्रा-अफार्डेबल सेवाएं मुहैया कराने के लिए गूगल के साथ 5G स्मार्टफोन पर लगातार काम कर रही है. इसके साथ ही कंपनी मोबाइल प्रोसेसर बनाने वाली मशहूर कंपनी क्वॉलकॉम के साथ भी काम कर रही है. अंबानी ने कहा कि उनकी कंपनी सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि ग्लोबल लेवल पर 5G सेवाएं देने की तैयारी में जुटी हुई है.

जियो एयर फाइबर की मदद से Jio 5G यूजर्स घर बैठे या ऑफिस में गीगाबीट-स्पीड इंटरनेट से कनेक्ट हो सकेंगे. यह अन्य पर्सनल Wi-Fi Hotspot डिवाइस की तरह काम करेगा. JioAirFibre को पूरी तरह से भारत में तैयार किया जा रहा है.

कंपनी भारत में जियो 5G सर्विस की शुरूआत इस साल दिवाली के आसपास करना चाहती है. शुरूआत में यह सेवा दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता जैसे प्रमुख महानगरों में मुहैया कराई जाएगी. उम्मीद है दिसंबर 2023 तक देशभर में लोगों को 5G सेवाएं मिलने लगेंगी. अंबानी ने यह भी कहा है कि कंपनी धीरे-धीरे 4G नेटवर्क पर निर्भरता पूरी तरह खत्म करके true-5G सर्विस की पेशकश करेगी.

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन ने अपनी सालाना जनरल मीटिंग में कहा कि Jio ने स्वदेश में ही एक एंड-टू-एंड 5G स्टैक विकसित किया है, जो पूरी तरह से क्लाउड नेटिव, सॉफ्टवेयर डिफाइन्ड है. इसमें QuÔ»»ftum Security जैसे तमाम एडवांस फीचर का सपोर्ट भी है. यही कारण है कि इसे डिजिटल तरीके से आसानी से मैनेज किया जा सकता है. अंबानी ने कहा कि उनके 5G नेटवर्क की क्षमता ऐसी होगी, जिससे पहले ही दिन से करोड़ों यूजर उसका इस्तेमाल कर सकेंगे.

और क्या कहा मुकेश अंबानी ने

मुकेश अंबानी ने एजीएम में कहा कि JioAirFibre के अल्ट्रा-हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड से बहुत कम समय में बड़ी संख्या में लोगों को एक साथ कनेक्ट किया जा सकेगा. इस वायरलेस ब्रॉडबैंड सेवा की शुरूआत के साथ ही भारत उन टॉप-10 देशों में शामिल हो जाएगा, जहां केबल कनेक्शन के बिना अल्ट्रा हाई स्पीड ब्रॉडबैंड की सेवा उपलब्ध है. इसके अलावा रिलायंस जियो बहुत जल्द 10 हजार रुपये से कम कीमत में 5G स्मार्टफोन लॉन्च करने जा रही है.

पैसे कमाने के चक्कर में इन चीजों को न करें नजरअंदाज

आचार्य चाणक्य ने दुनिया में सबसे ज्यादा महत्व धन का बताया है. वो कहते हैं जिंदा रहने के लिए सबसे जरूरी होता है कि आपके पास पैसा हों. पैसों से व्यक्ति अपनी जरूरत की हर चीज खरीद सकता है. धन कमाने के लिए लोग दिन रात मेहनत करते हैं. लेकिन धन के पीछे उतना ही भागना चाहिए, जितने की जरूरत हो. क्योंकि पैसा फिर से कमाया जा सकता है, लेकिन उसके चक्कर में कई बार ऐसी चीजें पीछे छूट जाती हैं जो धन से भी ज्यादा कीमती होती हैं.

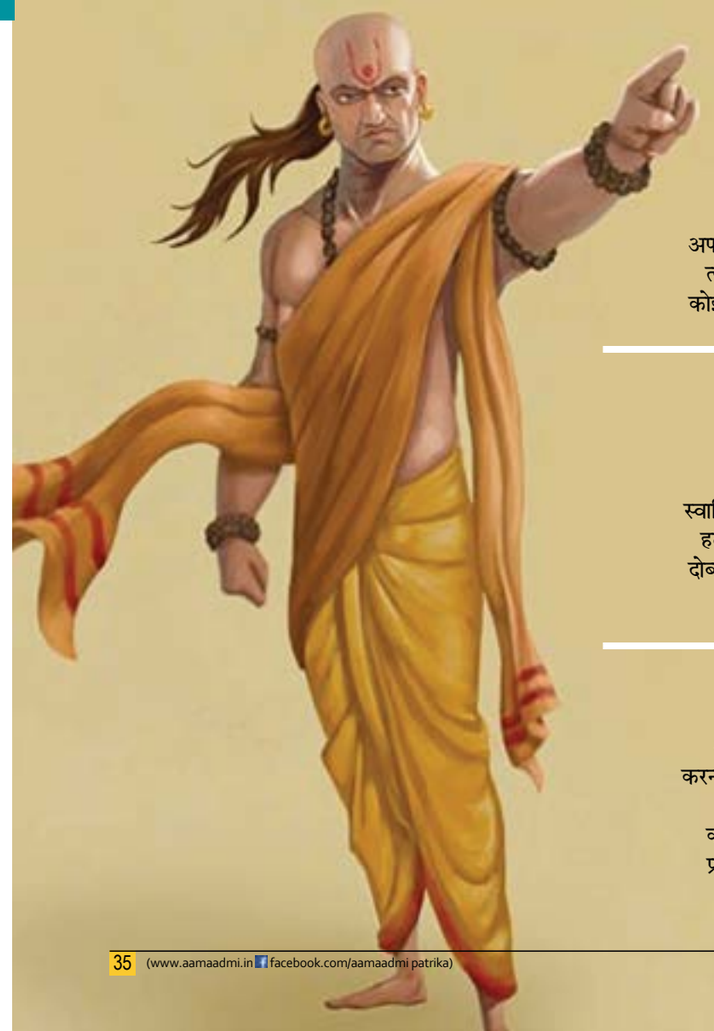

पैसे से प्यार का कोई मुकाबला नहीं

जिंदगी में जितनी जरूरत धन की होती है उतनी ही जरूरत प्यार की भी होती है. जीवनयापन के लिए दोनों बेहद जरूरी हैं. पैसे की वजह से कभी अपने प्रेम को नजरअंदाज न करें और न ही प्रेम को कभी पैसों से तौलें. कोई पैसे के पीछे भागता हुआ अपने परिवार को छोड़ देता है तो कोई प्यार के लिए अपना धन-दौलत त्याग देता है. रिश्तों के बीच में पैसा कभी नहीं लाना चाहिए. क्योंकि कोई कितना भी धनवान क्यों न हो कभी प्रेम को नहीं खरीद सकता है.

स्वाभिमानसे न करें समझौता

आचार्य चाणक्य कहते हैं कि इंसान को कभी भी अपने स्वाभिमान के साथ समझौता नहीं करना चाहिए. किसी भी व्यक्ति को अगर स्वाभिमान के लिए पैसों का त्याग भी करना पड़े तो उसे कभी पीछे नहीं हटना चाहिए.क्योंकि पनी काबिलियत और मेहनत के बल पर व्यक्ति दोबारा पैसा कमा सकता है. लेकिन अगर एक बार वह खुद की नजरों में गिर गया तो वापस कभी उठा नहीं सकता.

धर्म है धन से बड़ा

आचार्य चाणक्य कहते हैं धर्म ही मनुष्य को सही गलत की पहचान करना सिखाता है. इसलिए इंसान चाहे किसी भी धर्म को हो उसे अपने धर्म को धन से हमेशा ऊपर रखना चाहिए. अगर कोई व्यक्ति धन कमाने के चक्कर में अपने धर्म का त्याग कर दे तो समाज में उसकी प्रतिष्ठा खत्म हो जाती है. ऐसा व्यक्ति धर्म के बगैर जल्द ही बुराई वे रास्ते पर चलकर अपने जीवन को बर्बाद कर लेता है

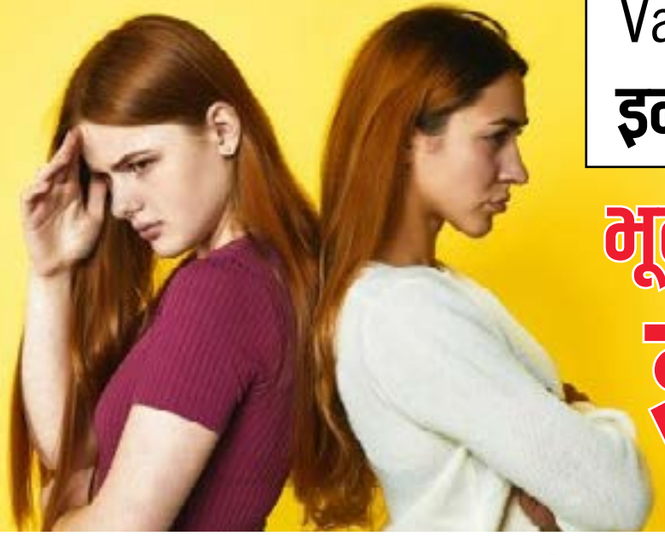

Vastu Tips: दूसरों की इन पर्सनल चीजों को भूलकर भी न करें इस्तेमाल

अक्सर लोग अपने दोस्तों या रिश्तेदारों से उनकी कुछ चीजें मांग कर इस्तेमाल करने लगते हैं. वहीं कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो अपनी चीजें दूसरों को दे देते हैं. वास्तु शास्त्र में कई ऐसी ही कुछ चीजों के बारे में बताया गया है, जिनके आदान प्रदान को बहुत ही अशुभ बताया गया है. वास्तु शास्त्र के अनुसार, दूसरों की कुछ चीजें इस्तेमाल करने या उन्हें अपनी कोई चीज सौंपने से परेशानी और बदकिस्मती आपको घेर सकती है. आइए आपको ऐसी चीजों के बारे में बताते हैं जो कभी किसी के साथ शेयर नहीं करनी चाहिए.

कभी किसी और की अंगूठी न पहनें

कभी किसी दूसरे इंसान की अंगूठी मांग कर न पहनें. ज्योतिषियों की मानें तो ऐसा करने से आपकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं. अंगुलियों और अंगूठी से हमारे जीवन के कई अहम मामले जुड़े होते हैं. इसलिए कभी दूसरों की अंगूठी मांग कर न पहनें.

किसी दूसरे की घड़ी न मांगे

ऐसी कहावत है कि दूसरों की घड़ी मांग कर पहनने से उनका बुरा और अशुभ समय हमारे जीवन में आ जाता है. वास्तु के मुताबिक, हमें कभी दूसरों की घड़ी मांग कर नहीं पहननी चाहिए. घड़ी को इंसान के समय से जोड़कर देखा जाता है.

दूसरे इंसान का रुमाल इस्तेमाल न करें

हमें कभी भी दूसरों के साथ रुमाल नहीं इस्तेमाल करना चाहिए. यह सेहत के लिहाज से बहुत ही अनहाइजीनिक है लेकिन वास्तु के हिसाब से भी सही नहीं है . ऐसा कहते हैं कि एक-दूसरे के साथ रुमाल शेयर करने से रिश्ते में कड़वाहट पैदा होती है.

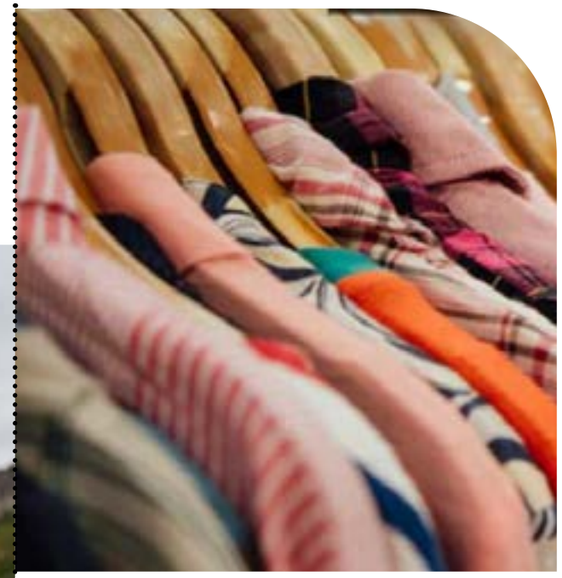

दूसरों के कपड़ों से बनाएं दूरी

किसी दूसरे के तन से उतरे कपड़ों को पहनना भी बदकिस्मती से जोड़कर देखा जाता है. दूसरों के कपड़े पहनने से दुर्भाग्य आता है, इसलिए हमें ऐसा करने से बचना चाहिए. अगर आप भी दूसरों के कपड़े मांग कर पहनते हैं तो अजा से ही अपनी आदत बदल डालिए.

फिर सवालों के घेरे में स्वामी, जानें अरेस्ट हुए मुरुगा की कहानी

मठ, हॉस्टल और सेक्स स्कैंडल...

> कर्नाटक के मुरुघा मठ के स्वामी शिवमूर्ती मुरुगा शरणारू पर दो नाबालिग लड़कियों ने यौन शोषण के आरोप लगाए हैं. लड़कियों के मुताबिक उन्हें नशीला पदार्थ देकर हॉस्टल में ही उनका यौन शोषण किया गया. मामले के ज्यादा तूल पकड़ने के बाद स्वामी शरणारू को गिरफ्तार कर लिया गया है.

एक पावरफुल मठ, मठ के हॉस्टल की दो नाबालिग लड़कियां और स्वामी शिवमूर्ति मुरुगा. शायद आप अब तक आप समझ ही गए होंगे कि हम बात कर रहे हैं कर्नाटक के चित्रदुर्ग के मुरुगा मठ की. करीब चार सौ साल पुराना कर्नाटक के चित्रदुर्ग का मुरुगा मठ, जिसका समाज में खासा दबदबा है, जो तीन सदी से भक्तों की आस्था का बड़ा केन्द्र रहा है, वो पिछले कुछ दिनों से गलत वजहों से चर्चा में है. वजह है लिंगायत स्वामी डॉक्टर शिवमूर्ति मुरुगा शरणारू पर यौन शौषण के आरोप. ये आरोप लगाए हैं- मठ के ही हॉस्टल में रहने वाली दो लड़कियों ने. लड़कियों का कहना है कि उन्हें नशीली चीजें देकर स्वामी मुरुगा ने उनके साथ यौन शोषण किया. मुरुगा मठ का अपना खुद का हॉस्टल है जहां ये 15 और 16 साल की दो लड़कियां रहती हैं. दोनों ही लड़कियां हाइस्कूल की छात्राएं हैं और मठ के ही स्कूल में पढ़ने जाती हैं. मुरुगा मठ के अपने खुद के 150 से ज्यादा शैक्षणिक संस्थान है जहां हजारों बच्चे पढ़ते हैं.

पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज

जैसे ही सेक्स स्कैंडल में स्वामी का नाम आता है चित्रदुर्ग में सनसनी फैल जाती है. स्वामी शिवमूर्ति मुरुगा लिंगायत समाज के धर्मगुरु हैं और उनको इस समाज के लिए किए जाने वाले कई सामाजिक कार्यों के लिए जाना जाता है. ऐसे में स्वामी के साथ सेक्स का मामला जुड़ने से उनके भक्तों, चाहने वालों में हड़कंप मच जाता है. दोनों लड़कियों के नाबालिग होने की वजह से स्वामी शिवमूर्ति पर पोक्सो एक्ट के तहत एफआईआर होती है. इसके अलावा उनपर, अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार निरोधक कानून के प्रावधान भी जोड़ दिए जाते हैं. दरअसल स्वामी के खिलाफ आरोप लगाएं हैं उनमें से एक लड़की अनुसूचित जाति से आती है. दोनों पीड़िता सीआरपीसी की धारा 164 के तहत मजिस्ट्रेट के सामने अपने बयान भी दर्ज करवा चुकी हैं.

नाबालिग लड़कियों ने लगाए यौन शोषण के आरोप

ये मामले की शुरुआत होती है कुछ दिन पहले जब हॉस्टल की दो लड़कियां स्वामी मुरुगा के खिलाफ शिकायत लेकर चित्रदुर्ग के एक थाने में जाती हैं. पुलिस उनकी शिकायत दर्ज नहीं करती. दोनों लड़कियां बेंगलुरु जाकर शिकायत दर्ज करवाने की कोशिश करती हैं लेकिन वहां भी वही हाल. हारकर दोनों लड़कियां घर लौट आती हैं. लड़कियों के परिवार वालों के मुताबिक, दोनों बेहद परेशान रहती हैं. वो रात रातभर सो नहीं पातीं. नींद आने पर चीख-चिल्लाकर उठ जाती हैं. उनके चेहरे पर हर वक्त एक खौफ नजर आता है. अपनी बच्चियों से जब परिवारवाले इसकी वजह पूछते हैं तो जो बताती हैं वो सुनकर उनका परिवार भी कांपने लगता है. स्वामी शिवमूर्ति मुरुगा बेहद पावरफुल माने जाते हैं और समाज में उनकी बहुत धाक है. ऐसे में लड़कियों का उनके ऊपर इस तरह के आरोप लगाना परिवार वालों को भी सकते में डाल देता है. लेकिन बच्चियों की ऐसी हालत देखकर उनका परिवार उनका साथ देता है और फिर मैसूर में जाकर स्वामी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई जाती है. जब मामला ज्यादा तूल पकड़ता है तो स्वामी मुरुगा को गिरफ्तार कर लिया जाता है.

मठ के प्रशासनिक अधिकारी पर भी केस दर्ज

इस मामले में स्वामी मुरुगा के अलावा एक और पुजारी और हॉस्टल वार्डन पर भी मामला दर्ज किया गया है. इसके अलवा मठ के एक प्रशासनिक अधिकारी एसके बासवराजन के खिलाफ भी एक एफआईआर दर्ज हुई है. एक अन्य लड़की ने बासवराजन के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है. उस लड़की का आरोप है कि जब ये उन दो लड़कियों ने स्वामी के खिलाफ शिकायत की तो उन्हें जबरन हॉस्टल से बाहर ले जा रहा था और जिसपर इस लड़की ने सवाल खड़े किए थे. उसके बाद बासवराजन ने इस लड़की के साथ रेप की कोशिश की और जान से मारने की धमकी दी. बासवराजन के खिलाफ हुई एफआईआर में उनकी पत्नी को भी सह-आरोपी बनाया गया है. उनपर इस मामले में अपने पति का साथ देने का आरोप है.

नित्यानंद स्वामी की सेक्स सीडी ने मचाया था बवाल

इसी तरह साल 2012 में शैव मठ के स्वामी नित्यानंद के सेक्स स्कैंडल पूरे देश में हलचल मचा दी थी और उन्हें जेल भी जाना पड़ा था. स्वामी नित्यानंद की सेक्स सीडी एक टेलीवजन चैनल ने चलाई थी जिसमें वो एक साउथ के हिरोइन और एक विदेशी महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिती में थे. स्वामी के एक शिष्य ने ही उनके कमरे में खुफिया कैमरा लगाकर उनकी ये सीडी बनाई थी. इस सेक्स सीडी ने कर्नाटक समेत पूरे देश में भूचाल ला दिया था. स्वामी नित्यानंद पर रेप, धार्मिक भावनाएं भड़काने,आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी के आरोप लगे. सेक्स सीडी के बाद जनता में भी स्वामी के खिलाफ आक्रोश बढ़ा. उन्हें गिरफ्तार किया गया और 52 दिन तक जेल रहे. स्वामी नित्यानंद को अपना पद भी छोड़ना पड़ा. लंबे समय तक इस सेक्स स्कैंडल ने सनसनी मचा रखी.

गिरफ्तार हो गए मुरुगा

मुरुगा मठ की स्थापना 1703 में हुई थी. मठ को कई सामाजिक, शैक्षणिक, और सांस्कृतिक कामों के लिए जाना जाता और समाज में इस मठ का काफी रुतबा है. आरोपी स्वामी द्रष्टा मुरुगा शिवमूर्ति का भी इस मठ को मजबूत बनाने में अहम योगदान माना जाता है. खासकर मुरुगा ने दलितों को भी इस मठ से जोड़ा है और ऐसे में सेक्स स्कैंडल में उनका नाम आने पर कोई कुछ भी खुलकर बोलने को तैयार नहीं है. लिंगायत समाज से आने की वजह से राजनैतिक गलियारों में भी स्वामी की खास जगह है और इसलिए इतने संगीन आरोपों के बावजूद आरोपी को गिरफ्तार को लंबे समय तक टाला गया. हालांकि बाद सामाजिक दवाब के बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया है और अब स्वामी मुरुगा की मुसीबतें बढ़ती नजर आ रही हैं.

पहले भी मठ में हुए सेक्स स्कैंडल

कर्नाटक में मठों में सेक्स स्कैंडल का ये कोई पहला मामला नहीं है. वक्त-वक्त पर ऐसी घटनाएं सामने आईं है जिन्होंने ऐसे धार्मिक संस्थानों की छवि धूमिल की है. 2017 में कर्नाटक के कोप्पल ज़िले में कलमठा मठ में एक सेक्स स्कैंडल सामने आया था. तब मठ के पुजारी कोट्टूरेश्वर का एक एक वीडियो सामने आया था जिसमें वो एक महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिती में थे. वो महिला मठ में खाना बनाने का काम करती थी और स्वामी कोट्टूरेश्वर के ड्राइवर ने ही उनका ये वीडियो बनाया था. इस वीडियो के लीक होने के बाद भक्तों ने स्वामी काफी विरोध किया. कलमठा मठ करीब 400 साल पुराना है और कोट्टूरेश्वर 1995 से इस मठ के पीठाधिपति थे. कोट्टूरेश्वर के ड्राइवर ने आरोप लगाए थे कि वो स्वामी के कहने पर पिछले कई सालों में मठ में लड़कियां सप्लाई करता है. हालांकि उसने वीडियो बनाने की बात से इनकार किया.

माह : सितम्बर 2022

राशिफल

मेष

सितंबर का यह माह आपके लिए मिलेजुले प्रभाव लेकर आ रहा है. आर्थिक स्थिति मध्यम रहेंगी. कार्यक्षेत्र में बढ़ोतरी होगी पूर्व में अटके कई काम सुचारु रुप से शुरू होंगे. सरकारी नौकरी से जुड़े लोगों लाभ प्राप्त होगा. किंतु काम का बोझ महसूस करेंगे.टेक्निकल क्षेत्र से जुड़े लोगों सावधानी बरतने की आवश्यकता है' छात्रों को प्रतियोगिता परीक्षा के लाभ प्राप्त होगा. व्यापारी वर्ग पैसे के लेनदेन को लेकर सावधानी बरतें अन्यथा पैसा अटक सकता है.

वृष

सितंबर का यह माह आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है. आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी धनलाभ के योग बनेंगे. कार्यक्षेत्र में चल रहे तनाव दूर होंगे. आर्थिक योजना पर पूंजी निवेश करेंगे. व्यापारिक मामला आपके पक्ष में रहेंगे. क्रोध की अधिकता रह सकती है संयम धारण करें. कलात्मक एवं रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोगों के लिए अनुकूल रहेगा समाज में मान सम्मान में बढ़ोतरी होगी .

मिथुन

सितंबर का माह आप के लिए अनुकूल समय ले कर आ रहा है. धन से जुड़ी सभी समस्याओं का अंत होगा. आर्थिक उन्नति होगी. कार्यक्षेत्र में बढ़ोतरी होगी उच्च अधिकारों का सहयोग प्राप्त होगा. सरकारी नौकरी से जुड़े लोगों को पद प्रमोशन की प्राप्ति होगी. व्यापार में चले आ रहे गतिरोध दूर होंगे धन लाभ के कई अवसर प्राप्त होंगे. जमीन, घर, वाहन आदि खरीदने के योग बन रहे हैं. प्रॉपर्टी से जुड़े कार्य करने वाले लोगों के लिए समय अनुकूल है.

कर्क

सितंबर का यह माह आपके लिए मिलाजुला फल लेकर आ रहा है. धन की स्थिति बेहतर रहे गी. कार्यक्षेत्र में चली आ रही परेशानियां दूर हो गी. बेरोजगारों को रोजगार की प्राप्ति होगी. उच्च अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा. सरकारी नौकरी से जुड़े लोगों को पद प्रमोशन इन्क्रीमेंट आदि मिल सकता है .पत्रकारिता एवं मीडिया से जुड़े लोगों के लिए समय बेहतरीन रहेगा.

सिंह

सितंबर का यह माह आप के लिए अनुकूल रहेगा. पूर्व में चली आ रही परेशानियों से छुटकारा मिलेंगे. आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी. स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां दूर होंगी. कार्यक्षेत्र में सभी रुकें हुए कार्यों सुचारु रुप से चलेंगे एवं मान सम्मान में वृद्धि होगी. सरकारी नौकरी से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल है प्रतिष्ठा प्रमोशन आदि मिलने के योग हैं. पैतृक संपत्ति से जुड़े विवाद आपके पक्ष में रहेंगे.

कन्या

सितंबर का यह माह आपके लिए बेहतरीन साबित होगा. आर्थिक लाभ की स्थिति बनी हुई है. व्यापार में उन्नति होगी धन लाभ के योग बन रहे हैं. कार्यक्षेत्र में आपका दबदबा कायम होगा. उच्चाधिकारी को प्रशंसा के पात्र बनेंगे.पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद रह सकता है. स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां उभर सकती है खानपान में सावधानी बरतें. सुख सुविधा के सामान को लेकर अधिक व्यय होंगे.

तुला

सितंबर का यह माह आप के लिए परेशानी भरा रह सकता है. आर्थिक स्थिति सामान्य रहेंगी. कार्यक्षेत्र में बाधाएं रह सकती है. काम की अधिकता के कारण मानसिक थकान का अनुभव करेंगे.सहकर्मियों के साथ तालमेल बैठाकर चले.आर्थिक निवेश को लेकर सावधानी बरतें. व्यापारिक मामले बंद गति से चल सकते हैं पैसे की लेनदेन को लेकर सावधानी वरते. छात्रों को प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता प्राप्त होगी.

वृश्चिक

सितंबर का यह माह आपके लिए सामान्य से बेहतर साबित होगा. आर्थिक समस्याओं से छुटकारा मिलेंगे. धन की स्थिति पहले से बेहतर होगी. कार्यक्षेत्र में पूर्व में अटके सभी कार्य सुचारु रुप से चलेंगे. सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा. क्रोध की अधिकता के चलते किसी उलझन में पड़ सकते हैं बेवजह किसी बहस में न पड़े.सरकारी नौकरी से जुड़े लोगों को प्रमोशन आदि मिल सकता है. कोट कचहरी से जुड़े मामले अपने पक्ष में रहे गे .

धनु

सितंबर का यह माह आपके लिए शुभ फलदायी रहेगा. आर्थिक उन्नति होगी. धन लाभ के योग बन रहे हैं. कार्यक्षेत्र से जुड़े सभी कार्य पूर्ण रूप से संपन्न होंगे. मान सम्मान में वृद्धि होगी. आर्थिक योजनाओं पर पूंजी निवेश करेंगे जो आगे चलकर लाभदायक सिद्ध होंगे. बेरोजगारों को नए रोजगार प्राप्त होंगे.

मकर

सितंबर का यह माह आपके लिए मिलाजुला प्रभाव लेकर आ रहा है. आर्थिक स्थिति बेहतर रहे गी किंतु मानसिक रूप से परेशान रह सकते हैं. शरीर में आलस्य का प्रभाव रहेगा. स्वास्थ्य को लेकर भी सावधानी बरतें. कार्यक्षेत्र में भी मिले जुले प्रभाव रहेंगे काम काजी मामले मंद गति से चलेंगे. पूंजी निवेश को लेकर सावधानी बरतें. व्यापारिक मामले अटक सकते हैं धैर्य से काम लें.भाग्य का सहारा मिलेंगे सभी कार्य मंद गति से पूर्ण होंगे.

कुम्भ

सितंबर का यह माह आपके लिए कठिनाई भरा रह सकता है. कार्यक्षेत्र में बनते काम बिगड़ सकते हैं. उच्चाधिकारियों के क्रोध का भाजन बन सकते हैं. समय पर कार्य पूरा करना चुनौतीपूर्ण रहेगा. आर्थिक स्थिति सामान्य रहेंगी.बहुत अधिक मेहनत के बाद ही सफलता प्राप्त होगी. व्यापार में पूंजी निवेश सोच समझकर करें. पत्रकारिता एवं मीडिया से जुड़े लोगों के लिए समय अच्छा है.

मीन

सितंबर का यह माह आपके लिए सामान्य से बेहतर रहेगा. कार्यक्षेत्र में सामना करना पड़ सकता है किंतु फिर भी सफलता प्राप्त होगी. आर्थिक स्थिति मजबूत होगी धन लाभ के कई अवसर प्राप्त होंगे.व्यापारिक मामला आपके पक्ष में रहेंगे कोई बड़ा अनुबंध हाथ लग सकता है. धन लाभ के योग बन रहे हैं.ब्रोकिंग, शेयर मार्केट से जुड़े लोगों के लिए समय बेहतरीन साबित होगा.

गली गली में दौड़ रही सेहत की गाड़ी
घर बैठे इलाज कराओ तुम संगवारी

स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में
छत्तीसगढ़ सरकार का क्रांतिकारी कदम

मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना

शहर	मेडिकल यूनिट	कैम्प
169	120	38 हजार

हमारी उपलब्धियां

- अभी तक लगभग 27 लाख मरीजों का सफल उपचार
- 170 प्रकार की दवाओं का वितरण, 41 प्रकार के पैथोलॉजी लैब टेस्ट
- लगभग 22 लाख 50 हजार मरीजों को निःशुल्क दवाएं
- महिला स्पेशल दाई दीदी क्लिनिक में लगभग 1 लाख 15 हजार महिलाओं को स्वास्थ्य लाभ

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

R.O NO - 12143/108